हरिभूमि
रायपुर भूमि

- तेज आवाज सुनकर स्टेनो विस्फोट की आशंका में बिल्डिंग से बाहर निकले
- घटना तड़के पौने पांच बजे की

115 साल पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग के रिकार्ड सेल की छत गिरी, महत्वपूर्ण फाइलें मलबे में दबीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अंग्रेजों के जमाने में निर्मित 115 साल पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग में रिकार्ड सेल की जर्जर छत रविवार तड़के अचानक भरभराकर गिर गई। छत गिरने से हड़कंप मच गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना अवकाशकालीन समय में होने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टोरेट के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचकर रिकार्ड रूम में मलबे में दबी फाइलें निकालकर सुरक्षित किए और ▶▶| शेष पेज 13 पर

प्रत्यक्षदर्शी ने कहा- लगा, जैसे विस्फोट हो गया

कलेक्ट्रेट में बतौर स्टेनो कार्यरत दिनेश पटेल रात में कलेक्टोरेट की रखवाली करते हैं। उन्होंने बताया, जिस रिकार्ड रूम में विस्फोट हुआ, उसके बाजू के रूम नंबर 7 में मैं सो रहा था। दिनेश के अनुसार, बिल्डिंग की छत गिरने से तेज धमाका हुआ, जिसकी आवाज से ही नींद खुली। धमाके की आवाज सुन दिनेश बुरी तरह से डर गया। उसे लगा कि कलेक्टोरेट परिसर में किसी ने विस्फोट किया है। छत गिरने से हुई तेज धमाके की आवाज सुन दिनेश रूम से बाहर निकला। बाहर किसी तरह से हलचल नहीं होने पर उसे लगा कि रोड पर दो कारों की टक्कर हुई होगी, इसे देखने वह सिग्नल के पास पहुंचा। वापस लौटते हुए ▶▶| शेष पेज 13 पर

नवरात्रि विशेष

सप्तमी : कालरात्रि

माता दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि नाम से विख्यात है। सातवें नवरात्रि की मां कालरात्रि के पूजन का विधान है। मां का यह स्वरूप अत्यंत भयानक है। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह काला है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में बिजली की भांति चमकने वाली माला है। लेकिन मां का यह रुप सदैव शुभ फल देने वाला है। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकरी भी है। मां कालरात्रि अपने भक्तों को दुष्टों से बचाने वाली है। कालरात्रि मां ग्रह बाधा को दूर भगाती है। मनुष्य को मन से कालरात्रि की अवश्य करना चाहिए। मां कालरात्रि उपर से उठे हुए दाहिने हाथ अभयमुद्रा में है। बांया तरफ के उपर वाले हाथ में लोहे का कांटा और नीचे वाले हाथ में खडग है।

शहरी नेटवर्क से जुड़ा एक और नक्सली पकड़ा गया, सोने के बिस्किट-कैश जब्त

- एसईसीएल में कर्मचारी यूनियन का नेता बताया जा रहा
- गिरफ्तार नक्सली मूल रूप से बीजापुर का रहने वाला

हरिभूमि फॉलोअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नक्सली दंपति जग्गू कुरसम उर्फ रवि उर्फ रमेश तथा उसकी पत्नी कमला की गिरफ्तारी के साथ ही एसआईए ने भाठागांव बस टर्मिनल के पास एक अन्य नक्सली रामा हिंचाम को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रामा भाठागांव का रहने वाला है। यहां उसका खुद का मकान है। जानकारी के मुताबिक, रामा का कोरबा में भी निवास है। जग्गू कुरसम के पकड़े जाने के दूसरे दिन एसआईए ने रामा को इंटरस्टेट बस टर्मिनल के पास कोरबा जाने की फिराक में दो साथियों के साथ धर-दबोचा।

रामा के बारे में जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक, वह कोरबा एसईसीएल में कार्यरत है। साथ ही उसके कोल कर्मचारी यूनियन लीडर होने की जानकारी मिली है। रामा से पूछताछ करने के बाद एसआईए ने उसे बिलासपुर ▶▶| शेष पेज 13 पर

डीडीनगर में अपराध दर्ज

रामा के कब्जे से भी 10 तोला सोने के बिस्किट तथा 81 हजार रुपए कैश जब्त किए गए हैं। रामा के खिलाफ डीडीनगर थाने में अपराध क्रमांक 441/2025 में तीसरी गिरफ्तारी दर्ज की गई है। विवेचना के क्रम में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी के बताने पर तीसरे आरोपी रामा हिंचाम पिता मंगू हिंचाम निवासी उर्रेपाल थाना मिरतुर जिला बीजापुर दर्शाया गया है।

कई गोपनीय जानकारियां मिलीं

रामा के रायपुर तथा कोरबा स्थित निवास से तलाशी में एसआईए को कई गोपनीय जानकारियां मिली हैं। दोनों जगह एसआई को डायरी मिली है। डायरी में दक्षिण के राज्यों के कई माओवादियों के साथ ही स्थानीय स्तर पर अलग-अलग कर्मचारी यूनियन से जुड़े लोगों के मोबाइल नंबर मिले हैं। नंबरों के आधार पर एसआई की टीम पड़ताल करने के बाद आगे की कार्रवाई तय करेगी।

कई नक्सलियों की जानकारी

एसआई की पूछताछ में पूर्व में पकड़े गए नक्सली दंपति तथा रामा से पूछताछ में जांच एजेंसी को एक दर्जन से ज्यादा नक्सलियों के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईए के अफसर नक्सली मामलों को लेकर कुछ भी बोलने से बचते नजर आ रहे हैं। एक पुलिस अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एसआईए ने रामा की गिरफ्तारी रायपुर से की है।

मैनेज करने का काम करता था

एसआईए को मिली जानकारी के मुताबिक, रामा बस्तर के नक्सलियों के लिए सुरक्षित ठिकाने तलाशने और उनकी बसाहट का काम करता था। जग्गू कुरसम और उसकी पत्नी को चंगोराभाठा में मकान किराए पर दिलाने में रामा की भूमिका होने की बात सामने आई है। साथ ही रामा द्वारा जग्गू की पत्नी कमला के लिए फर्जी आधारकार्ड बनवाने की एसआईए को जानकारी मिली है।

बिलासपुर रायगढ़ में छापे की सूचना

रामा तथा पूर्व में पकड़े गए नक्सलियों की निशानदेही पर एसआईए द्वारा नक्सलियों के शहरी नेटवर्क की जानकारी जुटाने एसआईए की टीम द्वारा रायपुर के अलावा कोरबा, बिलासपुर तथा रायगढ़ के अलग-अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई किए जाने की सूचना है। छापे की कार्रवाई की एसआईए ने अब तक किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

नौकरी दिलाने से लेकर आर्थिक मदद तक

सूत्रों के मुताबिक, रामा नक्सलियों के शहरी नेटवर्क की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करता था। वह रायपुर में रहकर नक्सलियों के लिए सूचनाएं एकत्रित करता था तथा यहां संगठन से जुड़े बीमार लोगों का उपचार कराने, शरण देकर नौकरी दिलाने से लेकर आर्थिक मदद तक करता था। उक्त सभी इनपुट को एसआईए की टीम खंगालने में जुटी हुई है। वहीं एसआईए की टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए नक्सलियों से पूछताछ कर डाटा एकत्रित किया गया है।

था 5 साल से अवरूद्ध विकास !
फिर से, रायपुर पश्चिम स्मार्ट
विधानसभा क्षेत्र बनने को तैयार
तीन बड़ी सौगात
आमजनो को मिलेगी राहत
भूमिपूजन/लोकार्पण
सोमवार, दि. 29.9.2025
लोकार्पण
अपरान्ह : 12.00 बजे
शशिबाला कन्या उ.मा. शाला, शुक्रवारी बाजार
स्वीकृति लागत 3.37 करोड़
मान. उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव जी के कर-कमलों से दानवीर भामाशाह वार्ड अंतर्गत शशिबाला कन्या उ.मा. शाला के नवीन भवन का लोकार्पण.
भूमिपूजन
अपरान्ह : 12.30 बजे
दीक्षा नगर, ठक्कर बापा वार्ड
स्वीकृति लागत 1960.74 लाख
पानी टंकी, पाईप लाईन बिछाने, नल कनेक्शन
उच्च स्तरीय 200 कि.ली. क्षमता 25 मी. स्टेजिंग, रॉ वाटर पम्पिंग राइजिंग कार्य, डिस्ट्रीस्युशन पाईप लाईन बिछाने का कार्य, घरेलू नल कनेक्शन (1000 नग), वाटर मीटर (1000 नग), पी.एल.सी. स्कोडा ऑटोमेशन कार्य.
भूमिपूजन
अपरान्ह : 01.30 बजे
हीरापुर चौक, वीर सावरकर वार्ड
स्वीकृति लागत 7329.59 लाख
ओवर पास
रायपुर शहर के अंतर्गत रिंग रोड क्रं.2 जरवाय मार्ग, बंगाली होटल के पास, ओवर पास निर्माण एवं रिंग रोड क्रं. 2 हीरापुर चौक में ओवर पास निर्माण कार्य.
आप सादर आमंत्रित है.
राजेश मूणत
पूर्व केबिनेट मंत्री एवं विधायक रायपुर पश्चिम
ATUL PUBLICITY
विनीत : समस्त भाजपा कार्यकर्तागण रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र

सालभर में दो परीक्षाएं, हर सप्ताह नया आयोजन, त्रस्त महाविद्यालयों ने पूछा-कब पढ़ाएं?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रजत जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करने संबंधित आदेशों से राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर के महाविद्यालय परेशान हो गए हैं। अब वे इस पूरे मामले में उच्च शिक्षा विभाग को खत लिखकर अपनी स्थिति से परिचित कराने की तैयारी कर रहे हैं।

दरअसल, प्रथम और द्वितीय वर्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू है, जबकि तृतीय वर्ष में अभी भी पुराना सिस्टम ही लागू है। इस तरह से महाविद्यालय दो तरह की पद्धतियों में परीक्षाएं आयोजित करा रहे हैं। इस कारण उनका लगभग पूरा समय परीक्षाएं आयोजित कराने में ही व्यतीत हो रहा है। रजत जयंती के मौके पर पूर्वछात्र मिलन सहित कई तरह के आयोजन थोक में होने के हैं। इसे लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों को खत प्रेषित किया है। विश्वविद्यालयों द्वारा संबद्ध महाविद्यालयों को इस संदर्भ में आदेश दिए गए हैं।

महाविद्यालयों को आयोजन करवाकर रिपोर्ट विवि को सौंपनी है। लेकिन समय व संसाधन के अभाव के कारण महाविद्यालय ये आयोजन नहीं करवा पा रहे हैं। छात्रों की पढ़ाई तथा अन्य वार्षिक गतिविधियां इनसे प्रभावित हो रही हैं। महाविद्यालय प्रबंधन आयोजनों को सीमित करने की मांग कर रहे हैं।

रजत जयंती पर होने वाले एक दर्जन से अधिक आयोजनों की सूची महाविद्यालयों को प्रेषित

स्वाध्यायी छात्रों की भी कक्षाएं

एनईपी लागू होने से पहले तक स्वाध्यायी छात्र सीधे परीक्षा में ही उपस्थित होते थे। लेकिन अब उनके लिए भी कक्षाएं अनिवार्य कर दी गई हैं। इनके लिए अतिरिक्त शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की गई है। महाविद्यालय के नियमित छात्रों को जो प्राध्यापक अध्यापन कार्य करवाते हैं, वे ही स्वाध्यायी छात्रों की कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। किसी भी आयोजन के लिए प्राध्यापकों को प्रभारी नियुक्त किया जाता है। पहले से ही अतिरिक्त कक्षाओं का भार होने के कारण वे आयोजनों का प्रभार लेने से बच रहे हैं। पहले से ही प्राध्यापकों की कमी से जूझ रहे महाविद्यालयों के लिए यह स्थिति परेशान करने वाली है।

परीक्षा कार्यों की अधिकता

एनईपी के तहत वर्ष में हो बार परीक्षाएं हो रही हैं। परीक्षा कार्यों की अधिकता के कारण हम पहले से ही दबाव में हैं। आयोजन संबंधित आदेश से कैलेंडर गड़बड़ा रहा है।

-डॉ.देवाशीष मुखर्जी, सचिव निजी महाविद्यालय संघ

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ ब्राह्मण समाज के 69 मेधावी विद्यार्थियों को मिले 5 लाख

रायपुर। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज और विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति द्वारा विप्र भवन में रविवार को मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज के अरुण शर्मा, नरेंद्र तिवारी, ज्ञानेश शर्मा, सच्चिदानंद मिश्रा, प्रदीप तिवारी, कुसुम शर्मा एवं प्रीति शुक्ला ने छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के 67 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए छात्रवृत्ति के रूप में लगभग पांच लाख रुपए की राशि वितरित की, जिससे छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के विद्यार्थी अपने कैरियर का निर्माण कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकें। इस मौके पर अरुण शर्मा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने माता-पिता की अपेक्षाओं का ध्यान रखकर कठिन परिश्रम और एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। प्रदीप तिवारी ने कहा कि सरकारी नौकरियां सीमित हैं, अतः सरकारी नौकरी के अलावा अन्य विकल्पों को भी खुला रखना चाहिए। अपनी कुशलता और योग्यता को विकसित कर स्वरोजगार के माध्यम से नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का प्रयास करना चाहिए। इस दौरान सभी अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अनुराग पांडेय, अविनाश शुक्ला, डॉ. ध्रुव पांडेय, व्यासनारायण शुक्ला, हरीश मिश्रा, सुरेंद्र शुक्ला, विभा तिवारी, भारती शर्मा, संजय दीवान एवं छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने पालकों के साथ तथा छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विवेकानंद नगर में नवपद ओली आराधना आज से

रायपुर। जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक समाज, विवेकानंद नगर का 29 सितंबर से नवपद ओली आराधना का कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है। नौ दिवसीय तपस्या कार्यक्रम उपाध्याय भगवंत आध्यात्म योगी महेंद्र सागर महाराज एवं उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागर महाराज के सान्निध्य में होगा। यह आराधना हर साल चैत्र और आसोज मास में सप्तमी से पूर्णिमा तक होती है। 29 सितंबर को सुबह 6 बजे स्नात्र पूजा प्रारंभ होगी। सुबह 6 बजे से आगे की विधि पूरी होगी। प्रवचन सुबह साढ़े 8 बजे प्रारंभ होगा।

निधन

रामू वर्मा

रायपुर। तिल्दा क्षेत्र के ग्राम किरना निवासी रामू वर्मा (99) का 27 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 28 सितंबर को किया गया। वे तुलाराम, सनत, नारायण, कांति, अनुज के पिता और वरिष्ठ पत्रकार गुलाल वर्मा के चाचा थे।

उर्वशी देवी पांडेय

रायपुर। तरुण नगर डगनिया निवासी उर्वशी देवी पांडेय का 28 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 बजे महादेवघाट श्मशानघाट में किया जाएगा। वे स्व. कृष्णानंद पांडेय (सोण्डरा वाले) की पत्नी एवं उषा शर्मा, प्रभा शर्मा, कमलकिशोर पांडेय, नवल किशोर पांडेय, संध्या, निशा की माता थीं।

चांदी के दाम 101500 रुपए थे, दाम डेढ़ लाख पहुंचने के आसार, अभी दाम 143900 रुपए किलो

इस बार धनतेरस पर दस ग्राम सोना खरीदने देने होंगे 43 हजार ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सोने और चांदी की कीमत लगातार आसमान छू रही है। इतिहास में पहली बार चांदी सवा लाख को पार करके इस समय 143900 पर पहुंच गई है। सोना भी तेजी से सवा लाख की तरफ बढ़ रहा है। इस समय दाम 117900 रुपए है। धनतेरस तक इसके दाम सवा लाख होने की पूरी संभावना है। ऐसा होने पर सोना और चांदी के दाम इस धनतेरस पर 50 फीसदी ज्यादा हो जाएंगे। बीते साल धनतेरस पर सोना 24 कैरेट का दस ग्राम 81800 और चांदी के दाम 101500 रुपए किलो थे। दस ग्राम सोना लेने के लिए ग्राहकों को इस बार 43 हजार ज्यादा दाम देने होंगे। इसी तरह से चांदी के लिए एक किलो पर 48 हजार ज्यादा देने पड़ेंगे।

सोने और चांदी की कीमत में इस साल लगातार इजाफा हो रहा है। पहली बार 21 अप्रैल को राजधानी रायपुर में सोने के दाम जीएसटी के साथ एक लाख रुपए थे। इसके बाद मई में सोने की कीमत कम हो गई। 2 जून में कीमत फिर से एक लाख के पार हो गई। इसके बाद फिर से कीमत कम हुई और अब तो लगातार इसके दाम बीते तीन माह से ही एक लाख के पार ही रहे हैं। इसी तरह से चांदी के दाम फरवरी में एक लाख के पार गए, जो अब सवा लाख के पार हो गए हैं। वैसे चांदी के दाम बीते साल धनतेरस पर एक लाख से ज्यादा थे।

बीते साल धनतेरस पर सोना 81800 था, इस बार दाम सवा लाख तक जाने की संभावना, अभी दाम 117900 रुपए

इस साल सोने के दाम 39 हजार बढ़े

इस साल की बात करें तो अब तक सोने के दाम 39 हजार रुपए बढ़े हैं, यह अब तक रिकॉर्ड है। इसके पहले कभी भी इतने कम समय में इतने दाम नहीं बढ़े हैं। 31 दिसंबर 2024 को कीमत 78400 रुपए थी, 1 जनवरी को कीमत 79 हजार रही। इसके बाद लगातार दाम बढ़ते हुए अप्रैल में पहली बार कीमत एक लाख तक पहुंची। इसके बाद दाम घटे नहीं हैं। अब तो कीमत 117900 हो गई है।

चांदी की कीमत में 55 हजार का इजाफा

चांदी की कीमत भी अब नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई है। चांदी की डिमांड ज्यादा होने के कारण इसके दाम लगातार बढ़ रहे हैं। चांदी के दाम तो सोने से भी ज्यादा तेजी से बढ़ रहे हैं। एक समय सोने और चांदी के दाम बराबरी पर चल रहे थे, लेकिन चांदी ने सोने को पीछे छोड़ते हुए सवा लाख की कीमत को पार कर लिया है। अब इसके दाम तेजी से डेढ़ लाख की तरफ जा रहे हैं। चांदी के दाम एक जनवरी को 88500 रुपए थे। इस समय दाम 143900 रुपए हैं। यानी चांदी के दाम अब तक 55400 रुपए बढ़ चुके हैं।

खरीदारी पर नहीं होगा असर : मालू

सोने की कीमत को देखते हुए धनतेरस पर कारोबार के प्रभावित होने की आशंका लग रही है, लेकिन सराफा कारोबारी हरख मालू का कहना है कि कारोबार पर असर बिलकुल नहीं होगा। कारोबार बीते साल से ज्यादा ही होगा। कीमत ज्यादा होने पर लोगों ने अपनी खरीदी का तरीका बदला है। जिनके पास पांच लाख का बजट है, वे पहले इस बजट में दाम 80 हजार होने पर छह तोला सोना लेते थे, तो अब कीमत सवा लाख होने पर चार तोला सोना लेंगे। जिनका बजट दो लाख होगा, वो अपने बजट के हिसाब से वजन लेंगे। बाजार में पैसे उतने ही आएंगे, जितने हमेशा आते हैं।

पढ़ाई को सरल बनाने शिक्षकों को दी जाएगी खास ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शिक्षकों के लिए अब खास तरह के कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसका उद्देश्य शिक्षकों की क्षमता को बढ़ाना है ताकि शिक्षक व्यवस्था पहले से बेहतर हो सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत यह प्रयोग किया जा रहा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शिक्षकों के लिए 14 नए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम्स की शुरुआत की है।

- शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम, एनईपी के तहत प्रयोग

बोर्ड के अनुसार, इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाना और शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाना है। इन्हें इस तरह तैयार किया गया है कि शिक्षक विषयों की गहरी समझ विकसित कर सकें और कक्षा शिक्षण को सरल और आकर्षक बना सकें। इसमें शिक्षकों को व्यावहारिक रणनीतियां, नवाचारपूर्ण उपकरण और संरचित सेशन प्लान उपलब्ध कराए जाएंगे।

विषय की प्रकृति अनुसार ट्रेनिंग : बोर्ड ने अपने सभी संबद्ध विद्यालयों से अनुरोध किया है कि वे इन कार्यक्रमों की जानकारी शिक्षकों तक पहुंचाएं। अक्टूबर 2025 से ये कार्यक्रम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के जरिए 'प्रशिक्षण त्रिवेणी' पहल के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे। हिंदी भाषा के शिक्षकों को राष्ट्रीय शैक्षिक लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी शिक्षण रणनीतियां बताई जाएंगी। संस्कृत शिक्षकों को सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की दक्षता पर केंद्रित ट्रेनिंग दी जाएगी। पेंटिंग की कक्षाएं लेने वाले शिक्षकों को रचनात्मक चित्रकला, लोक कला, ओरिगामी, प्रिंटमेकिंग और कैलिग्राफी की तकनीक बताई जाएंगी।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत होंगे कई कार्यक्रम

रायपुर। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने बताया, आत्मनिर्भर भारत अभियान में प्रदेश में भी कई कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा, देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से अग्रसर है। हाल की ऐतिहासिक जीएसटी क्रांति और उससे पहले आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट देकर, सभी तरह के कर कानूनों का सरलीकरण कर श्री मोदी ने विकसित भारत की राह प्रशस्त की है।

- 25 दिसंबर तक लगातार होंगे आयोजन

श्री पाण्डेय ने रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, देश यह कभी नहीं भूलेगा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय सबसे पहले आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया था। उस समय की भयानक आपदा को भी ऐसा अवसर बना देना, किसी चमत्कारिक नेतृत्व के वश की ही बात है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है। श्री पाण्डेय ने बताया, श्री मोदी के इस मूलमंत्र को अपनाकर पार्टी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से प्रारंभ हुआ है और 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ निर्माता, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक चलेगा।

चार बड़ी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-भूमिपूजन आज

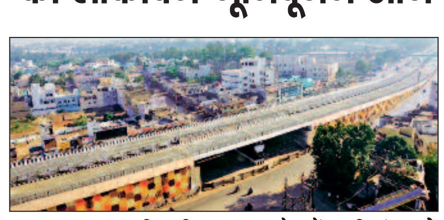

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 29 सितंबर को एक साथ चार बड़ी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया जाएगा। क्षेत्र के लिए यह दिन विकास की दृष्टि से बेहद अहम होने जा रहा है। इन परियोजनाओं पर कुल मिलाकर लगभग 96 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन सभी कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे।

- भूमिपूजन और लोकार्पण उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे

इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि पहली सौगात दानवीर भामाशाह वार्ड, शुक्रवारी बाजार में 3.37 करोड़ रुपए की लागत से बने नए शाला भवन के रूप में मिलेगी। यह शाला भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है और खासकर उन बच्चों को लाभ मिलेगा, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। इसके बाद ठक्कर बापा वार्ड में 19.60 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली पानी टंकी का भूमिपूजन किया जाएगा।

इसके अलावा रिंगरोड क्रमांक-2 पर दो महत्वपूर्ण ओवरपास निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन होगा। पहला ओवरपास बंगाली होटल के पास जरवाय मार्ग पर 23.89 करोड़ रुपए की लागत से और दूसरा हीरापुर चौक पर 49.40 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा।

विजयादशमी के उपलक्ष्य में आरएसएस का पथ संचलन

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर के अंतर्गत संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त होने वाले विजयादशमी कार्यक्रम में भव्य पथ संचलन प्रारंभ हुआ। इस संचलन में महानगर के 14 नगरों में से 5 नगरों की 5 बस्तियों में पथ संचलन किया गया। सभी बस्तियों में स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जहां एक तरफ सभी संचलन में बाल से लेकर प्रौढ़ स्वयंसेवकों ने भाग लिया। यह संचलन 25 सितंबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चलेगा। महानगर के 14 नगरों में पथ संचलन किया गया। महानगर प्रचारक मनोज कश्यप ने कहा, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि हम संघ कार्य के शताब्दी वर्ष के साक्षी बन रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान डीडी मिश्रा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, हरिओम शर्मा, त्रिभुवन नारायण सिंह सहित 159 गणवेशयुक्त स्वयंसेवकों ने संचलन में भाग लिया।

पेज 11 के शेष ...

115 साल पुरानी ....

रूम को सील कर दिया। मलबे में कई महत्वपूर्ण फाइलें दबे होने की बात कही जा रही है। डिप्टी कलेक्टर मनीष मिश्रा के अनुसार, जिस कमरे की छत गिरी है, वहां पुराने रिकार्ड रखे गए थे। छत गिरने की जानकारी मिलने के बाद सुबह साढ़े छह बजे रिकार्ड रूम की देखरेख करने वाले सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे अफसरों ने रिकार्ड रूम से सावधानी से फाइलों को निकालकर सहेजकर दूसरी जगह देर शाम तक शिफ्ट करने का काम किया। **1940 से पूर्व के रिकार्ड :** जिस रूम की छत गिरी है, वहां सन 1940 से पूर्व के रिकार्ड रखे गए थे। डिप्टी कलेक्टर के अनुसार, रिकार्ड रूम में ज्यादातर फाइलें कर्मचारियों से संबंधित पेंशन, ग्रेच्युटी से जुड़ी फाइलें हैं, जिन्हें रिकार्ड के लिए सुरक्षित रखा जाता है। मौके पर पड़ताल करने पर राजस्व से संबंधित फाइलें रिकार्ड रूम से कर्मचारियों द्वारा निकालते देखी गईं। इसमें अविभाजित मध्यप्रदेश के साथ अंग्रेजी शासनकाल के पेपर हैं। ***इस वजह से कमजोर हुई छत :*** कलेक्टोरेट परिसर की छतों पर बिजली बचाने सोलर पैनल लगाए गए हैं। सोलर पैनल लगाने छतों को ड्रील किया गया है। ड्रील होने की वजह से छतें कमजोर हो गई थीं। साथ ही सोलर पैनल के एंगल से छत पर दबाव बढ़ गया था। बारिश के दिनों में छतों से पानी का रिसाव हो रहा था। कलेक्टोरेट के लिए नई बिल्डिंग बनाने प्रस्ताव पास होने के बाद छतों की लंबे अरसे से रिपेयरिंग नहीं की जा रही थी। इसके चलते छत कमजोर हो गई। पिछले दिनों तेज बारिश होने की वजह से छत पर पानी जमा हो गया। इसके चलते रिकार्ड रूम की जर्जर छत भरभराकर गिर गई। ***अन्य कमरों की हालत और बुरी :*** कलेक्टोरेट परिसर में अंग्रेजों के जमाने की बिल्डिंग के कमरों की हालत बहुत ही बुरी स्थिति में है, जिस रिकार्ड रूम की छत गिरी है, कलेक्टोरेट के कर्मचारियों के अनुसार, उससे बुरी स्थिति अन्य कमरों की है। बिल्डिंग के नीचे काम करने वाले कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। ***महिला कर्मचारी रिकार्ड रूम में लेने जाती थीं लंच :*** कलेक्टोरेट में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि जिस रिकार्ड रूम की छत गिरी है, वहां दोपहर के समय महिलाएं लंच करने के लिए जाती हैं। राहत की बात यह रही कि छत गिरने की घटना रविवार तड़के हुई। कार्यालयीन समय में घटना होने पर बड़ी अनहोनी हो जाती। कलेक्टोरेट बिल्डिंग का निर्माण 1909 में अंग्रेजों न किया था। बताया जा रहा है, कलेक्टोरेट बिल्डिंग में कल्चुरी राजाओं के किले के पत्थर लगाए गए हैं। बिल्डिंग में 600 साल पुराने किले के सिफलिस पत्थरों को अग्रेजों ने भवन निर्माण में लगवाया था।

प्रत्यक्षदर्शी ने कहा- ....

दिनेश ने देखा कि रिकार्ड रूम की छत गिरी है। इसके बाद उसने घटना की जानकारी अफसरों को दी।

शहरी नेटवर्क से ....

एनआईए कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है। रामा के साथ पकड़े गए दो संदेहियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

15

बंगाली दुर्गा पंडाल में धुनुची नृत्य ने ...

शारदीय नवरात्रि की षष्ठी तिथि से ललित महल में गुंजन्स आयोजन, वैदिक फाउंडेशन और हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के रास गरबा का रंगारंग आगाज रविवार की रात किया गया। मंत्री केदार कश्यप, हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी और गुंजन चौहान ने पूजा-अर्चना करते हुए पारंपरिक गरबा उत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद जैसे ही बॉलीवुड स्टार ईशा मालवीय मंच पर आईं, यूथ ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इसके बाद नगाड़ा संग ढोल बाजे..., गरबो सो धिन तक..., जैसे गीतों से माता की आस्था में गरबा मंडप सराबोर हुआ। अलग-अलग ग्रुप ने इस उत्सव को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

गुंजन्स आयोजन और हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के रास गरबा का पहले दिन ललित महल में रंगारंग आगाज में छलका उत्साह

सतरंगी रोशनी में थिरके कदम, बॉलीवुड सेलिब्रिटी ने मचाई धूम, सेल्फी लेने मची होड़

रायपुर। सेरीखेड़ी स्थित ललित महल में रास गरबा का शुभारंभ रात 9 बजे विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। मंच पर आने के बाद मंत्री केदार कश्यप माता की आस्था का हिस्सा बने, हर वर्ग के लोगों और भव्य आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए मां दुर्गा की आस्था में सजाए गए उत्सव के लिए शुभकामनाएं दीं। हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि रायपुर का यह गरबा उत्सव परंपरा का रूप ले रहा है। मां जगदम्बा की आस्था में मंडप सजाने का क्रम इस बार भी आकर्षण का केंद्र है। इसके बाद अतिथियों ने बॉलीवुड सेलिब्रिटी ईशा मालवीय का सम्मान स्मृति चिन्ह देकर किया। इसके बाद स्टेज पर आते ही ईशा हाय रायपुर, जय जोहार के संबोधन से युवाओं से कनेक्ट हुईं और बोलीं, रायपुर के युवाओं की एनर्जी उत्सव को खास बनाती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की तारीफ करते हुए यहां के व्यंजनों का स्वाद चखने की बात कही।

गुजराती-हिंदी गीतों पर खेला गरबा

बीटीआई मैदान में संकल्प समिति द्वारा आयोजित रास गरबा उत्सव में भारी संख्या में लोग उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। रविवार को एक साथ 150 से 200 लोगों ने गरबा खेलकर समां बांध दिया। गानों की रिदम और ढोल की थाप पर युवाओं के जोशीले नृत्य ने माहौल को ऊर्जा से भर दिया। गुजराती और हिंदी गीतों पर देर रात तक गरबा की प्रस्तुति चलती रही। आयोजन में समिति प्रमुख संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयोजिका अनीता खंडेलवाल, पुष्पा जैन, सुनीला अग्रवाल और संगीता मिश्रा निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकारी सदस्य मिलिंद गौतम, राजेश गुप्ता, शिव सोनपिपरे, रूपक इजारदार, अमरजीत सिंह, दीपक श्रीवास्तव, अंकुर अग्रवाल, रिंकू भाकरे, मनोज खुड़िया, माला लामा, राखी शाह, सोनम जैन, सुमन मुथा, निधि कदम और प्रियंका गुप्ता का विशेष सहयोग मिल रहा है।

पुख्ता तैयारी के बीच भक्तों ने जमाया रंग

पहले दिन की थीम ट्रेडिशनल ड्रेस होने से लोग तैयारी के साथ शामिल होने पहुंचे। लोगों ने उत्सव को भक्ति से सजाने का सुंदर प्रयास किया। मंच से माता के जयकारे के साथ रास गरबा में शामिल लोगों का स्वागत किया। रंगीन लाइटों और म्यूजिक सिस्टम से पारंपरिक गीतों की स्वर लहरी ने ऐसा रंग जमाया कि रास गरबा में चौकड़ी-छकड़ी भरने का दौर जैसे-जैसे आगे बढ़ा, वैसे ही अलग-अलग ग्रुप कदमताल मिलाते हुए, माता को रिझाने का जतन करते हुए माता की भक्ति में तल्लीन नजर आए। जैसे-जैसे गीतों का क्रम बदल रहा था, लोगों को कनेक्ट करने का दायित्व गुंजन चौहान एवं उनकी टीम निभा रही थी। दूर-दूर से पहुंचे लोगों को भक्ति का माहौल देने पुख्ता तैयारी के बीच भक्तों ने रंग जमाया।

गुढ़ियारी में गरबा उत्सव की धूम

गुढ़ियारी रास गरबा उत्सव समिति द्वारा गरबा महोत्सव में सांस्कृतिक उत्साह, भक्तिभाव और परंपरा का सुंदर समागम देखने को मिल रहा है। शानदार गरबा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे युवा देर रात तक माता के भक्ति गीतों पर थिरकते रहे। गरबा की बीट्स पर रविवार को भी सभी वर्गों ने जमकर गरबा किया। आयोजन की सफलता में समिति के संरक्षक श्रवण शर्मा, वीरेंद्र पारख तथा सदस्य विकास सेठिया, दीपक अग्रवाल, शरद शर्मा, कान्हा बाजारी, अभिषेक अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। गरबा प्रेमियों के लिए यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस बार भी आनंद और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

पारंपरिक परिधानों में डांडिया रास, गुजराती राजस्थानी व छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति की झलक

हरिभूमि प्रिंट मीडिया पार्टनर, वीआईपी रोड स्थित ओमाया गार्डन रिसोर्ट में रास गरबा उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इसके दूसरे दिन भी फिल्मी गायिका तोरषा सरकार के लाइव गरबा कंसर्ट में गरबा प्रेमियों ने माता के जयकारे से रास गरबा महोत्सव की शुरुआत की। पारंपरिक गरबा गीतों पर गुजराती, राजस्थानी व छत्तीसगढ़ी पहनावे में गरबा प्रेमियों ने तिकड़ी, चौकड़ी, छकड़ी की महफिल सजाई। सोमवार को रास गरबा उत्सव के तीसरे दिन बॉलीवुड के मशहूर सिंगर ईशान अपनी सुरीली आवाज के साथ गरबा नाइट में रंग जमाने रायपुर पहुंचेंगे। ओमाया गार्डन में गरबा का रंगीन नजारा 'भला मोरी रामा, भला तारी रामा, भाई-भाई...' जैसे ही गुजराती लोकगीत की मधुर धुन गूंजी, गरबा प्रेमियों का उत्साह बढ़ता दिखा। रास गरबा के दौरान पूरा परिसर गरबा की ताल पर थिरकता दिखा। सैकड़ों गरबा प्रेमी पारंपरिक गुजराती परिधान, पगड़ी और छतरी के साथ इस उत्सव में शामिल हुए। लेट नाइट तक चलने वाले इस कार्यक्रम में गरबा प्रेमियों ने डांडिया को अनोखे और आकर्षक अंदाज में सजाया। घुंघरू, चमकीली लेस और डांडिए पर लिखा 'ऐ हालो' जैसे नवाचारों ने सभी का ध्यान खींचा। इस उत्सव ने शहरवासियों को गरबा की परंपरा और रंगीन संस्कृति के साथ जोड़ने का काम किया। गरबा महोत्सव में इस बार धार्मिक भजनों और पारंपरिक गरबा गीतों में प्रस्तुति दी गई। 'अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरं रामनारायणं जानकी वल्लभं...पंखिड़ा तू उड़ के जाना...ढोलिड़ा ढोल रे वागाड़...'जैसे गीत शामिल रहे। गरबा महोत्सव में कुछ युवतियां राजस्थानी परिधान में नजर आईं, जिन्होंने राजस्थानी संस्कृति की झलक पेश की। वे पारंपरिक घूंघट, चूड़ा, पायल, नथ और मांग टीका में सोलह श्रृंगार कर शामिल हुईं। साथ ही महोत्सव में गरबा गीतों पर राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति दी।

भारत की जीत पर जयस्तंभ चौक पर मना जश्न, सड़कों पर डांस, दिखी आतिशबाजी

आधी रात जयस्तंभ चौक पर लहराया तिरंगा

रायपुर। भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए एशिया कप के फाइनल में रविवार को भारत ने शानदार जीत दर्ज की, जिससे क्रिकेट प्रेमियों के बीच जश्न का माहौल बन गया। जैसे ही भारत की जीत तय हुई, रात करीब 12 बजे युवाओं का समूह अपनी कारों और बाइकों के साथ जयस्तंभ चौक की ओर बढ़ने लगा। चौक पर पहुंचते ही हजारों की संख्या में लोग जुट गए और भारत की ऐतिहासिक जीत का उत्सव मनाने लगे। जयकारों, भारत माता की जय के नारे और रंगबिरंगी आतिशबाजी से पूरा वातावरण गूंज उठा। युवाओं ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए डांस किया, तालियां बजाईं और एक-दूसरे को मिठाई बांटी। पिछले दो मैच में चौक-चौराहों पर जश्न नहीं मना था, लेकिन फाइनल में जीत के साथ जश्न भी देर रात तक मनाया गया। जयस्तंभ चौक में होने वाले इस भव्य उत्सव में हर उम्र के लोग शामिल हुए और भारत की जीत का यह पल सभी के लिए यादगार बन गया। यह नजारा उत्सव जैसा था, जो शहरभर में क्रिकेट के दीवानों के लिए अविस्मरणीय बन गया। करीब दो घंटे तक चौक में ढोल-नगाड़ों के साथ पाकिस्तान की हार पर भारत का जश्न मनाया गया। युवाओं का जोश, हर चेहरे पर खुशी और जश्न का यह माहौल शहरभर में क्रिकेट के प्रति दीवानगी और भारत की जीत के जश्न का गवाह बना।

बच्चों और युवाओं का जबरदस्त डांस

पाकिस्तान पर भारत की जीत का जश्न मनाने की यह परंपरा हर बार की तरह इस बार भी देखने को मिली। लोगों को इस खास दिन का बेसब्री से इंतजार था, और जब भारत ने जीत हासिल की, तो क्रिकेट प्रेमियों की खुशी दोगुनी हो गई। चौक में बच्चों और युवाओं ने धूमधाम से डांस किया। पूरे माहौल में उत्साह था, और हर कोई अपनी खुशी को इस खास पल में शामिल कर रहा था। कुछ लोग इस जश्न को कैमरे में कैद कर रहे थे, तो वहीं कुछ ने लाइव वीडियो कॉल के जरिए अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से जुड़कर इस पल का आनंद लिया। इस खास दिन ने शहर को भारत की जीत और क्रिकेट प्रेमियों की खुशी से भर दिया।

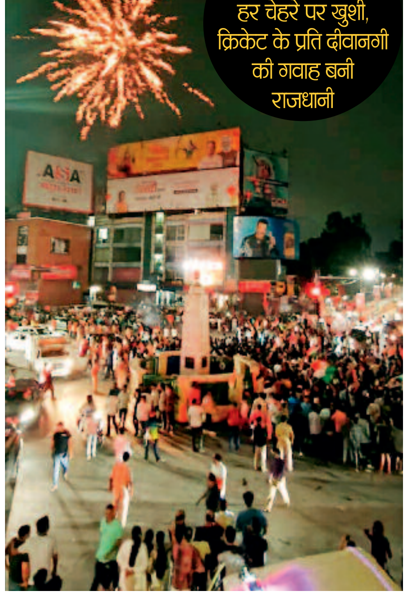

शहरभर में युवाओं का जोश, हर चेहरे पर खुशी, क्रिकेट के प्रति दीवानगी की गवाह बनी राजधानी

खबर संक्षेप

प्रवचन में शिव विवाह का किया रोचक वर्णन

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम मोहदेश्वर धाम मोहदा में चल रहे शिव महापुराण कथा के पांचवे दिन शिव विवाह की कथा को विस्तार से बताया गया। जिसके कथा वाचक पं अशोक कृष्ण शर्मा (सगुनी वाले) है। कथा का समय दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक है। यह आयोजन नव दुर्गोत्सव समिति के द्वारा आयोजित है।

फ्रेंड्स कल्ब ने किया कन्या भोज व भंडारा

तिल्दा नेवरा। फ्रेंड्स क्लब तिल्दा नेवरा द्वारा आज नवरात्रि पर्व पर रविवार को गांधी चौक नेवरा में कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, गांधी चौक नेवरा के मां दुर्गा पंडाल के पास विशाल कन्या भोज एवं आम भंडारे का आयोजन फ्रेंड्स क्लब तिल्दा नेवरा की टीम के द्वारा किया गया, जहां पर कन्याओं एवं छोटे-छोटे बच्चों को बैठाकर भोजन कराया गया वहीं सैकड़ों कन्याओं को श्रृंगार आदि वितरित किया गया, साथ ही आम लोगों को भी यहां पर भोजन कराया गया। भंडारा में भारी संख्या में कन्याओं, बालको, सहित युवा बड़े ,बुजुर्गों ने भी आकर भोजन ग्रहण किया।

श्रीअखंड राम नाम सप्ताह के समापन पर आज शोभायात्रा

नेवरा तिल्दा। नेवरा नेवरा में श्री अखंड राम नाम सप्ताह का समापन 29 सितंबर को होगा। कार्यक्रम के 64वें आयोजन में विभिन्न टोलियों द्वारा प्रस्तुति दी जा रही है। जहां प्रतिदिन विभिन्न टोलियों द्वारा दो-दो घंटे का समय दिया जा रहा है, आम लोगों सहित विभिन्न समाजों एवं सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं बीएनबी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं आदि भी उपस्थित होकर राम नाम का धुन गीत गा रहे है।

यह राम नाम सप्ताह 24 घंटे का है जिसमें विभिन्न समाज के लोग भी उपस्थित हो रहे हैं , वही 29 सितंबर को विभिन्न ग्रामों से विसर्जन टोली पहुंचेगी जो कि नगर का भ्रमण कर राम नाम सप्ताह के विसर्जन किया जाएगा। इस अवसर पर नेवरा निवासी गिरधारी अग्रवाल एवं उनकी टीम एवं अन्य लोगों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।। वही श्री अखंड राम नाम सप्ताह समिति बजरंग चौक नेवरा द्वारा अपील कर कहा गया की 29 सितंबर को विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

नवरात्रि पर्व

नवरात्रि पर अंचल में जगराता, माता सेवा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

माता दुर्गा की झांकी देखन देर रात तक रहती है चहल-पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

शक्ति उपासना का महापर्व नवरात्रि इस समय धरसींवा अंचल में अपने पूरे शबाब पर है। नगर पंचायत कुरा, परसतराई सहित आसपास के गाँवों में भी गरबा, माता सेवा और जगराता के आयोजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा है। पूरे अंचल के मंदिरों में इन दिनों श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा है। नवरात्रि के नौ दिनों तक माता के दर्शन और पूजन के लिए भक्तगण भोर से ही कतारों में लग जा रहे हैं। धरसींवा के प्रमुख देवी मंदिरों सहित गाँव-गाँव में स्थापित देवी पंडालों में अखंड ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं, जिनकी अलौकिक आभा से पूरा क्षेत्र जगमगा रहा है। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना कर रहे हैं और अपनी मन्नतें पूरी होने की कामना कर रहे हैं। इस भक्ति और आस्था के माहौल में हर तरफ 'जय माता दी' का जयघोष सुनाई दे रहा है।

मंदिर और पंडालों की आकर्षक सजावट

नवरात्रि के पावन अवसर पर अंचल के सभी मंदिरों और अस्थायी पंडालों को भव्य रूप से सजाया गया है। मुख्य मंदिरों से लेकर पंडालों तक, हर जगह रंग-बिरंगी रोशनी, विद्युत सज्जा और फूलों की मनमोहक सजावट की गई है। माता के दरबार को विशेष रूप से चुनरियों और फूलों की मालाओं से सजाया गया है, जिससे माँ दुर्गा की प्रतिमाएं और भी दिव्य लग रही हैं। मंदिरों की यह शानदार सज्जा भक्तों को भक्तिमय वातावरण का अनुभव करा रही है।

तिवरैया में अब शरद पूर्णिमा को होगा कार्यक्रम

तिवरैया धरसींवा में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा का आगमन समारोह भी भव्य रहा, जिसमें सुमन डांस ग्रुप भिलाई द्वारा माँ नवकाली की शानदार और जीवंत प्रस्तुति निकाली गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हालांकि, भारी बारिश के कारण समिति द्वारा आयोजित एक प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया गया है। छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक लोक कला मंच लोकधारा का जो रात्रिकालीन कार्यक्रम अब 7 अक्टूबर को किया जाएगा।

गरबा व डांडिया में बच्चों का छलका उत्साह

आरंग। राधा कृष्ण विद्या मंदिर उच्च.मा. विद्यालय में गरबा का कार्यक्रम मनाया गया। नवरात्रि के शुभ अवसर पर लालिता सोनी के द्वारा मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पूजा अर्चना कर कार्यक्रम कि शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में रंग बिरंगे परिधान में सजे छोटे बच्चों के साथ पूरा शाला परिवार भक्ति एवं रास गरबा के उत्साह में रंग गया। विद्यालय के सभी बच्चों ने धार्मिक गानों के धुन में नवरात्रि के पावन पर्व पर बड़े ही उत्साह से गरबा एवं डांडिया नृत्य में भाग लिए। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्या निशा श्रीवास्तव एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं व त्रिवेणी, आरती, खुशबू, नीलम, सुप्रिया, त्रिवेणी, एवं सभी बच्चे उपस्थित थे।

श्रीराम विहार में गरबा व डांडिया की मची धूम

आरंग। श्रीराम विहार कॉलोनी आरंग में बड़े उत्साह और भक्ति भाव के साथ दो दिवसीय गरबा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों एवं आस-पास के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। माता रानी की आराधना, उपासना और भक्ति का अद्भुत वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत माँ दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती से हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने गरबा एवं डांडिया के माध्यम से माता रानी की भक्ति का अनूठा प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी वेशभूषा, आकर्षक सजावट और मधुर भजनों की धुन से वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना रहा। इस अवसर पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने गरबा और डांडिया में भाग लिया। महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर पूरे मनोयोग से माता की भक्ति में लीन रहीं। युवा वर्ग ने भी पूरे उत्साह और उमंग के साथ आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दो दिनों तक चले इस आयोजन ने नगरवासियों के बीच भक्ति, आनंद और भाईचारे का अद्भुत संदेश दिया।

सुआ, कर्मा व राउत नाचा की मनमोहक प्रस्तुति दी

आरंग। मोरध्वज नगर आरंग के दीनदयाल कालोनी आरंग में शनिवार को जय शारदा सुवा के संदेश सुवा मंडली कोसमखुटा का आयोजन हुआ। जिसमें कलाकारों ने शानदार झांकी में माँ दुर्गा के द्वारा शुम्भ निशुम्भ और महिषासुर वध के पटकथा के साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परम्परा सुवा, कर्मा, लोकगीत गौरी गौरा राऊतनाचा जैसे मनमोहक झांकी से दर्शक दीर्घा का मन मुग्ध किया। कार्यक्रम के सौजन्य प्रेम अंजली ध्रुव परिवार रहे। उपस्थित दर्शकों में दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष अशोक साहू, संरक्षक एम एल तारक, नरेंद्र साहू, उपाध्यक्ष परमेश्वर चन्द्राकर, गोविन्द चन्द्राकर, चन्द्रकांत साहू, सचिव नारायण साकार, सह सचिव कमल चन्द्राकर, कोषाध्यक्ष मनीराम साहू, सलाहकार विक्की देवागन, शेखर चन्द्राकर, अशोक देवांगन, कामता साहू, चेतन साहू, कुमुदिनी चन्द्राकर, सीतल देवांगन, कुसुम तारक, तारणी साहू, दीप्ति चन्द्राकर, उर्वशी चन्द्राकर, पिंकी चन्द्राकर, भुमि चन्द्राकर, प्रेमलता चन्द्राकर, ऋचा शर्मा आदि कार्यक्रम के अंत तक उपस्थित थे।

संघ प्रचारक सांताराम सर्राफ को दी श्रद्धांजलि

तिल्दा नेवरा। बीएनबी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा में शांता राम सर्राफ का श्रद्धांजलि सभा आयोजित। वरिष्ठ प्रचारक सांता राम सर्राफ का निधन हो गया जिसके बाद श्रद्धांजलि सभा का दौर जारी है, इसी परिपेक्ष्य में नेवरा स्थित बद्री नारायण बागड़िया शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा के नया हॉल में शनिवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। आयोजक राम सेवक समिति ओटगन व लोकतंत्र प्रहरी संघ थे। आयोजक के प्रमुख मधुसूदन धर दीवान, नरेंद्र शर्मा एवं सौरभ जैन ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर सर्राफ जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, राम पंजवानी, पार्षद रानी सौरभ जैन ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर जिला संघ चालक देवेंद्र सिंह ठाकुर, नगर संघ चालक गोपाल वर्मा, श्रवण साहू, बलराम यादव, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा , डा खुमान वर्मा ,हीरालाल साहू, रामचरण देवांगन, एस के पांडे , ,राम पंजवानी, सौरभ जैन, मनोज निषाद, विजय ठाकुर , पवन अग्रवाल ,डेमन जी, ईश्वर यदु, अनुराधा वर्मा , नंदनी खींचरिया, रुक्मिणी वर्मा , अनीता सक्सेना डॉ एल पी साहू सहित अनेक लोग उपस्थि थे । ओटगन से मधुसूदन दीवान सहित कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र शर्मा ने किया। आभार सौरभ जैन द्वारा किया गया।

इंटर्नशिप में अरुंधति स्कूल के छात्रों ने एआई मशीन लर्निंग और पायथन की दुनिया जानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

पीएम श्री अरुंधति देवी स्कूल आरंग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और पायथन प्रोग्रामिंग पर पांच दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उभरती तकनीकों से परिचित कराना और उनके डिजिटल कौशल को बढ़ाना था। छत्तीसगढ़ राज्य समग्र शिक्षा अभियान के तत्वावधान में, यह इंटर्नशिप कार्यक्रम नाइलिट भुवनेश्वर द्वारा 23 से 27 सितंबर तक पीएम श्री स्कूल आरंग में आयोजित किया गया था। सत्रों के दौरान, छात्रों ने एआई के मूल सिद्धांतों, विभिन्न प्रकार की मशीन लर्निंग और रियल-लाइफ़ अनुप्रयोगों के बारे में सीखा। उन्होंने पायथन प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया, जिससे उनकी समस्या-समाधान और तार्किक सोच क्षमताओं में वृद्धि हुई।

पाँच दिवसीय कार्यक्रम का समापन पायथन प्रोग्रामिंग पर एक आकर्षक व्यावहारिक सत्र के साथ हुआ, जिसके बाद एक समूह फ़ोटो और छात्र प्रतिक्रिया का आयोजन किया गया, जहाँ प्रतिभागियों ने उत्साह व्यक्त किया और कहा कि इस प्रशिक्षण ने प्रौद्योगिकी-संचालित करियर में उनकी रुचि जगाई। विद्यालय के प्राचार्य हरीश कुमार शर्मा ने फ्यूचर - रेडी शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

विशेषज्ञों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया

विशेषज्ञ सूरज कुमार साहू और हातिम सैफी ने सिद्धांत को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के साथ जोड़ते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। श्री कमलेश साहू विद्यालय में इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। एक प्रतिभागी छात्र ने कहा, /"इस कार्यक्रम ने हमारे लिए नए क्षितिज खोले हैं। अब हम एआई और कोडिंग को तलाशने के लिए आश्वस्त महसूस करते हैं।/" एक पायथन व्यावहारिक कार्यशाला और प्रतिक्रिया साझा करने के साथ इंटर्नशिप का समापन हुआ, जिसने छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों में अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

समोदा साहू समाज के चुनाव में परसराम की शानदार जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

समोदा महानदी परिक्षेत्र के साहू समाज के चुनाव में एक बार फिर डॉ. परस राम साहू ने अध्यक्ष पद पर एकतरफा जीत हासिल की है। इस जीत के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष को क्षेत्रवासियों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही है। जीत के बाद परसराम साहू ने साहू समाज, क्षेत्रवासियों और जनता का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल उनकी नहीं बल्कि पूरे साहू समाज की है। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू समाज के निर्देश से समोदा महानदी परिक्षेत्र में साहू समाज का चुनाव 23 सितंबर को सम्पन्न हुआ। चुनाव में डॉ. परसराम साहू को ऐतिहासिक जीत मिली है। डॉ. परस राम को कुल 103 में से 90 वोट मिले। वही 4 मत रिजेक्ट हुआ और प्रतिद्वंदी को सिर्फ 7 वोट ही मिले। वहीं पुरुष उपाध्यक्ष के पद पर समोदा निवासी आशीष साहू और महिला उपाध्यक्ष के पद पर गुल्लू निवासी अनुसुइया साहू ने जीत दर्ज की है। वहीं ललित साहू पुरुष संगठन सचिव बने और यामिनी साहू महिला संगठन सचिव पर पर निर्वाचित हुए। इस जीत के बाद साहू समाज के क्षेत्रवासियों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। जीत के बाद परसराम साहू ने साहू समाज क्षेत्रवासियों और जनता का आभार जताते हुए कहा कि, लोगों की सेवा ही मेरा संकल्प है, "हमने क्षेत्र के हर गांव में जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाई है। इस चुनाव में भी लोगों का समर्थन और आशीर्वाद हमें पहले से भी ज्यादा मिला है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन को और मजबूत बनाने, समाज की समस्याओं के समाधान और युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वे लगातार काम करेंगे।

रोबोटिक्स कार्यशाला में खरोपा की छात्रों ने ट्रैफिक लाइट प्रोजेक्ट बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वाधान में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी की ओर से 23 से 27 सितंबर तक पीएम श्री सेजेस खोरपा विद्यालय में में पांच दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर डॉ ब्रजेश पटेल व उनके सहयोगी डॉ आकाश दीप कुशवाह,अमित राज वीआर ने विद्यार्थियों को रोबोटिक्स और कोडिंग से संबंधित जानकारी दी। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को भविष्य की तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करना रहा। पहले दिन छात्रों ने प्रोग्रामिंग की मूल बातें सीखीं, दूसरे दिन उन्होंने सेंसर और हार्डवेयर की मदद से ट्रैफिक लाइट प्रोजेक्ट बनाया। तीसरे दिन बच्चों ने रोबोट तैयार किया, जो स्वचालित रूप से सामने आने वाली बाधाओं से बचने में सक्षमथा। चौथे दिन छात्रों ने लाइन फालोइंग, रोबोट तैयार किया,अंतिम दिन विद्यार्थियों ने ब्लूटूथ नियंत्रित रोबोट तैयार किया, जिसे मोबाइल फोन से संचालित किया गया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सरपंच मीना चम्मन ध्रुव,सासंद प्रतिनिधि अर्जुन, विधायक प्रतिनिधि कृष्णकांत नामदेव, प्रदीप साहू, राधेश्याम साहू, प्राचार्य सोमा बनिक, व्याख्याता पारुल अग्रवाल,श्रीमति लीना बिसेन सहित छात्र छात्राये उपस्थित रहे।

बाराडेरा तुलसी में आज से 2 तक ध्यान-योग शिविर

सिलयारी। सदगुरु कबीर संस्थान बाराडेरा तुलसी के ध्यान योग शिविर आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. दौवाराम साहू, उपाध्यक्ष मोहन लाल साहू, संचालक मंडलीय दीनबंधु दास साहेब ने बताया गया है कि सद्गुरु कबीर साहेब की असीम कृपा से दशहरा के पावन पर्व पर बाल संस्कार एवं ध्यान योग शिविर का आयोजन 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सद्गुरु कबीर आश्रम, बाराडेरा, तुलसी, में किया जा रहा है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बालक-बालिकाओं में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, भक्ति, ध्यान और योग के संस्कारों को विकसित करना है। यह शिविर बच्चों को आध्यात्मिकता, नैतिकता और जीवन मूल्यों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। सत्संग, ध्यान साधना, आध्यात्मिक चर्चा, और खेलकूद गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच का विकास होगा।

खैरखूंट में भक्ति पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम कल

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम खैरखूँट में 30 सितम्बर को रात्रि 8 बजे से मंडी मैदान में नवरात्रि के अवसर पर भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। जिसमे मां मालती देवी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम लोक मंजरी के टीम व जानकी मूवी टीम की संयुक प्रस्तुति होगी। जिसमें सभी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। विशेष उपस्थिति फिल्म निर्माता डायरेक्ट मोहित साहू , छालीवुड स्टार दिलेश साहू , अभिनेत्री अनिकृति चौहान, डेविड निराला,अभिषेक सोनकर, मोनिका वर्मा , गरिमा ठाकुर आदि शामिल होंगे। उक्तासय की जानकारी ज्योतिष कुमार साहू ने दी।

330 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित, बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालु

लोरिक गढ़ रींवा में स्थापित आदिशक्ति मां चंडिका से मिलती है भक्ति की प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

राजधानी रायपुर से 28 किलोमीटर दूर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 53 से महज दो किलोमीटर दूर वीर अहीर लोरिक, चंदा और पुरातात्विक ग्राम के नाम से विख्यात ग्राम हैं गढ़रीवा। जहां साक्षात विराजमान है आदिशक्ति माता चंडिका।यहां वर्ष भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। मंदिर समिति के सदस्यगण बताते हैं यह मंदिर का इतिहास हजारों वर्ष पुरानी है। जनमान्यता है महादानी राजा मोरध्वज स्वयं यहां पहुंचकर मां चंडिका की पूजा आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त करते थे। राजा महर के शासनकाल में भी लोरिक वीर अहीर के आराध्य देवी के रूप में भी यह मंदिर चर्चित रहा। मंदिर के पुजारी मोहन भारती बताते हैं पंचमूर्ति मां चण्डी की प्रतिमा एक विशाल शीला में निर्मित है। जिसमें भक्त लंगुरे, मां चंडिका, मां आदिशक्ति,मां महामाया और काल भैरव विराजमान है। यही कारण है कि इस मंदिर को पंचमूर्ति चंडिका सिद्धपीठ के नाम से जाना जाता है।इस मंदिर से लगा 75 एकड़ का विशाल तालाब है।जिसे बंधुआ तालाब कहा जाता है। यह तालाब का जल सफेद दाग के निवारण के लिए प्रख्यात है। यहां जो भी चर्म संबंधी रोग से ग्रसित लोग श्रद्धाभाव से सात रविवार तक स्नान कर मां चंडिका का आशीर्वाद लेते हैं। उनके शरीर से चर्म संबंधी रोग का निवारण हो जाता हैं। चर्म रोग के निवारण के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं। और चर्म रोग का निवारण पाते हैं। ग्राम के 73 वर्षीय बुजुर्ग सरपंच घसियाराम साहू बताते हैं कुंवार और चैत्र दोनों ही नवरात्र में यहां सैकड़ों मनोकामना ज्योति प्रज्वलित होती है। काफी दूर-दूर से भक्त यहां आकर मनोकामना ज्योति प्रज्वलित कर मां चंडिका का आशीर्वाद लेते हैं। सिद्ध शक्तिपीठ माता चंडिका भक्तों की कामना अवश्य पूरी करती है।यह नवरात्र में भी 330 मनोकामना ज्योति प्रज्वलित हो रही।जो जन आस्था का केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण यहां पहुंचकर माता की जस, सेवा भजन कीर्तन कर रहे हैं।

न्यायालय तहसीलदार, मंदिर हसौद
जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/Q/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 19/09/2025

आवेद दिनेश कुमार पिता रामशरण साहू निवासी जावा सकरी तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, मेरा नाम दिनेश कुमार साहू पिता रामशरण साहू उर्फ व्यासनारायण है अतः उक्त नाम से उर्फ व्यासनारायण नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दिनेश कुमार साहू करने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 06/10/2025 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 19/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

(मुहर) नायब तहसीलदार
मंदिर हसौद, जिला-रायपुर

सिटी लाइव

भक्ति- भाव से किया 501 कन्याओं का पूजन, कॉलोनी में करवाया गया भोज

रायपुर। आस्था के पर्व नवरात्रि में जगह-जगह भोग-भंडारे का आयोजन भक्तों के लिए किया गया। इसी श्रृंखला में पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड अंतर्गत इंद्रावती कॉलोनी में 501 कन्याओं का पूजन करते हुए भोज कराया गया। निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने शारदीय नवरात्र की षष्ठी तिथि के दिन इंद्रावती कॉलोनी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भक्तिमय माहौल में कन्या भोज का आयोजन किया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कन्याओं के स्वागत से लेकर उनकी विदाई तक हर काम को बखुबी पूरा किया। विशाल आयोजन में सबसे पहले सभी कन्याओं का विधिवत चरण धुलवाते हुए आयोजक ने आशीर्वाद प्राप्त किया और परिवार के सदस्यों द्वारा माहुर लगाते हुए आशीष लिया गया।

सभी कन्याओं को भेंट की श्रृंगार सामग्री

कन्याओं का पूजन करने के बाद उन्हें भोज स्वरूप हलुआ, पूड़ी, सब्जी का भोग लगाते हुए सभी मातृ स्वरूप कन्याओं को चुनरी के साथ श्रृंगार सामग्री भेंट की गई। सभी कन्याओं ने आयोजक आकाश तिवारी को अपना आशीर्वाद दिया। इस आयोजन का स्वरूप हर साल बढ़ते क्रम में हो रहा है। इससे पहले 108 कन्याओं से इस भक्ति कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। रविवार को माता के आशीर्वाद से 501 कन्याओं ने भोग प्रसादी ग्रहण किया। इसमें आसपास के सभी लोगों ने प्रसादी ग्रहण किया। माता रानी की कृपा सभी पर बनी रहे ऐसा आशीर्वाद दिया।

समाज लाइव

जिंदगी-गुरु तेगबहादुर के 350वें शहीदी वर्ष में निकलेगी शहीदी यात्रा

रायपुर। सिक्खों के नौवें गुरु तेगबहादुर साहेब के 350वें शहीदी वर्ष में रायपुर से तीन अक्टुबर को शहीदी यात्रा का आगाज होगा। यह यात्रा 12 अक्टुबर तक यानी 10 दिनों तक छत्तीसगढ के 70 से ज्यादा स्थानों पर पहुंचकर संगत को दर्शन कराएगी। सिक्ख समाज छत्तीसगढ के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह छाबडा एवं सुरेन्द्र सिंह छाबडा ने बताया कि यह यात्रा स्टेसन रोड गुरुद्वारा से टाटीबंध ,कुम्हारी,चरौदा, नेहरु नगर, भिलाई, दुर्ग, राजगांदगांव, डोंगरगढ में रात्री विश्राम करेगी। इसके बाद 4 अक्टुबर को खैरागढ, देवकर, बेमेतरा, नवांगढ, मुंगेली, कुंडा के बाद यात्रा में शामिल लोग कवर्धा में विश्राम करेंगे। इसी क्रम में 12 अक्टुबर को सिमगा, रावांभाटा गुरुद्वारा , श्री गुरु गोबिंद सिंह चौंक से नगर कीर्तन के साथ स्टेशन रोड गुरुद्वारे में इस यात्रा का समापन किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने किया गया बैठक

इस संबंध में रविवार को रायपुर में प्रदेशभर के सभी कि सिक्ख समाज ने शहीदी यात्रा के स्वागत और सत्कार का निर्णय लिया है। इस बैठक में प्रमुख रूप से गुरमुख सिंह होरा, गुरुबक्श सिंह छाबड़ा, निरमोलक सिंह मुटरेजा, नरेंद्र सिंह चावला, सुरेंद्र सिंह खनुजा शामिल हुए। इस दौरान आयोजन का सफल संचालन करने के लिए जिम्मेदारियों का भी विभाजन किया गया। इसमें कुलदीप छाबड़ा अवतार जुनेजा, अमरजीत ढुवा, चरणजीत गंभीर, निरंजन खनुजा और इंदरजीत छाबड़ा ने शहीदी यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने और दायित्वों को निभाने के लिए टीम वर्क करने की सलाह दी। इसमें सभी गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के मेंबर्स ने सहभागिता निभाई।

धर्म लाइव

हनुमंत कथा सुनाने 3 को आएंगे पं. शास्त्री, सज रहा दिव्य दरबार

रायपुर। अवधपुरी मैदान श्रीनगर मार्ग गुढ़ियारी में दूसरी बार बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 4 से 8 अक्टूबर तक श्री हनुमंत कथा सुनाएंगे। इस बीच किसी भी दिन महाराज दिव्य दरबार सुबह 11 से दोपहर 2 बजे के बीच लगा सकते हैं। कथा का प्रसारण कई टीवी चैनलों पर दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक किया जाएगा। इसके लिए 3 अक्टूबर की शाम 6 बजे पं. शास्त्री स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां युवा समाजसेवी और स्व. पुरुषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउंडेशन के सदस्य स्वागत करेंगे। जैसे ही वे भारत माता चौक पहुंचेंगे, लोग भव्य स्वागत के बाद नगर भ्रमण करते हुए कथास्थल के लिए निकलेंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने सेवा की जिम्मेदारी ली है।

कई वीईआईपी आएंगे कथा सुनने, तैयारी तेज

श्री अग्रवाल ने आगे बताया कि बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर से कथा सुनने के लिए कई वीआईपी का यहां आगमन होगा। इनमें सीएम विष्णु देव साय, उनकी धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, गृहमंत्री विजय शर्मा के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी धर्मपत्नी वीणा सिंह भी कथा श्रवण का लाभ लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के साथ ही मंत्री और विधायक और महापौर मीनल चौबे भी कथा सुनने आएंगे। समाजसेवी बसंत अग्रवाल ने लोगों से अपील की है कि चारपहिया के बजाय दोपहिया वाहन से कथा सुनने के लिए आएं।
इससे पार्किंग में सुविधा देने में आसानी होगी। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए निशुल्क 200 ई-रिक्शा की व्यवस्था समिति द्वारा की गई है।

बंगाली कालीबाड़ी समिति में मां दुर्गा की महाआरती के साथ लोकनृत्य का उत्सव

बंगाली दुर्गा पंडाल में धुनुची नृत्य ने मोहा मन, सोलह श्रृंगार से सजीं सुहागिन महिलाएं

रायपुर। कोलकाता की सांस्कृतिक धरोहर में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप के बीच रविवार की शाम बंगाली कालीबाड़ी समिति के भव्य मां दुर्गा पंडाल में अनूठा नजारा देखने को मिला, यह दृश्य शहरवासियों के लिए आस्था का केंद्र बना रहा। दुर्गा पंडाल में कोलकाता के वाद्ययंत्रों में ढाक की धुन पर प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक पूजन व विधिवत मंत्रों के पश्चात पंडाल में महिलाएं धुनुची नृत्य करने शामिल हुईं।

आज दुर्गा पंडाल में महासप्तमी पूजन

समिति के सदस्यों ने बताया कि सोमवार को महासप्तमी पूजन सुबह 6 बजे से प्रारंभ होगा। इसमें सप्तादिकल्पारम्भ, महासप्तमी महाआरती, पुष्पांजलि पूजन किया जाएगा, वहीं संध्या आरती के बाद पुनः सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, इसमें सामाजिक व्यक्तियों की सांस्कृतिक प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी।

लोकनृत्य में मां दुर्गा के स्वरूपों का वर्णन

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की महाआरती के साथ हुई, जहां समिति के 30 से अधिक नन्हे बच्चों के समूह ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। बंगाली परिधान में बच्चों ने मां दुर्गा के समक्ष बंगाली लोकगीत की प्रस्तुति दी, इस दौरान समुदाय की आराध्य देवी मां दुर्गा की महत्ता व उनके विभिन्न स्वरूपों का वर्णन किया गया।

मिट्टी की धुनुची और पारंपरिक परिधान से सजा पंडाल

पारंपरिक बंगाली वाद्ययंत्र ढोल, चमचम, कंसारी और मादल की जोरदार थाप के साथ जब इस नृत्य प्रस्तुति दी गई तो उसकी ऊर्जा और उमंग ने दर्शनार्थियों का ध्यान केंद्रित किया। जहां हाथों में मिट्टी की धुनुची और सांस्कृतिक परिधान के साथ मंच के समक्ष महिलाएं नृत्य करती दिखीं। इस दौरान लगभग 40-45 सुहागिन महिलाओं ने आपस में मिलकर नृत्य किया। इस मौके पर पारंपरिक डिजाइन परिधान व आभूषणों के साथ महिलाएं सोलह श्रृंगार में नजर आईं, जहां पैस्ले, फूल, और पौराणिक कथाओं के दृश्य साड़ी की पल्लू में नजर आईं। रविवार को देर शाम तक बंगाली दुर्गा पंडाल में धुनुची नृत्य की झलक देखने को मिली।

सती माता सीता की अग्निपरीक्षा, नाटक में दिखा नारी शक्ति का अद्भुत स्वरूप

रायपुर। विश्ववंदनीय संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 विद्यासागरजी महामुनिराज के अवतरण दिवस और दिगंबर जैन समाज के दस दिवसीय पर्वराज पर्यूषण के समापन अवसर संयुक्त रूप से मैत्री महोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर रजत टंकोत्कीर्ण पुस्तिका का विमोचन, हस्तलिपि ग्रंथों सहित कई ग्रंथों का विमोचन मुख्यमंत्री के हाथों हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ एक कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि आत्मजागृति और आत्मशुद्धि का भी पर्व है। छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमें आचार्य विद्यासागरजी का लंबे समय तक सानिध्य, कठोर साधना और समाधि का अवसर मिला। इस अवसर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, संस्कृति संरक्षण व संवर्धन, गोशाला व जीवदया जैसे पहलुओं पर आधारित धर्म, समाज व देशहित के लिए सर्वव्यापी महत्वाकांक्षी योजना विद्यासागर कल्याण योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधायक राजेश मूणत एवं समाज के वरिष्ठजनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ससंघ विराजित आर्यिका रत्न 108 श्री अंतर्मति ने संबोधन में कहा कि आचार्य विद्यासागर सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, एक विराट व्यक्तित्व थे। इस महोत्सव को भव्यरूप प्रदान करने में सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विनोद बड़जात्या, सचिव प्रदीप जैन, समाजसेवी मनीष जैन, सुरेंद्र जैन, अरविंद जैन, सभी समाजों के अध्यक्ष एवं महिला मंडल की अध्यक्ष सहित समूची कार्यकारिणी ने समर्पित भाव से योगदान दिया।

नाटक में पौराणिक कथा से नैतिक उत्थान का संदेश

कार्यक्रम का आकर्षण आर्यिका श्री अंतर्मति माताजी द्वारा विरचित सती माता सीता की अग्निपरीक्षा नाटक था। जिसकी प्रस्तुति सभी महिला मंडलों द्वारा साझा रूप से दी गई। वर्तमान के आधुनिकता और तकनीकि युग में जब नैतिकता, चारित्र और मूल्यों का निरंतर ह्नास हो रहा है। ऐसे में पौराणिक कथा के माध्यम से नैतिक उत्थान का संदेश दिया गया है। भारतीय नारी माता सीता अपने पति के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत बनकर किस तरह पत्नि धर्म का निर्वहन करती है। माता सीता का संपूर्ण जीवन त्याग, बलिदान और चुनौतियों से घिरा होने के बाद भी कर्मों का उदय मानते हुए कैसे उन्होंने अपने कर्तव्य का पालन किया तथा नारी पर्याय को सार्थक करने के प्रसंग को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के मंचन में श्रीराम की भूमिका श्रृद्धा जैन गुरूकृपा, लक्ष्मण प्रिया जैन टैगोर नगर, सीता शैली जैन अशोका रतन ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन इंदौर के अनुराग जैन ने किया।

ऐतिहासिक विजयादशमी की तैयारी तेज आकर्षण का केंद्र होगी आतिशबाजी

रायपुर। रावणभाठा मैदान में 150वें ऐतिहासिक विजयादशमी उत्सव की तैयारी तेज हो गई है। इस बार भी 60 फीट का रावण और 50- 50 फीट ऊंचे कुंभकर्ण तथा मेघनाथ का दहन किया जाएगा। इसकी शुरुआत सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति पारंपरिक तरीके से दोपहर 3 बजे करेगी। श्री दूधाधारी मठ से जुड़ी 150 साल पुरानी रावण दहन की परंपरा को निभाने के साथ ही भगवान बालाजी की पालकी भक्तिभाव के साथ दशहरा मैदान पहुंचने के बाद उत्सव का शुभारंभ होगा। इसमें अखाड़ा दल लाठी, डंडा और भाला चालन से शौर्य का परिचय देंगे। यह जानकारी रविवार को दशहरा मैदान में पत्रकारवार्ता के दौरान समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सुशील ओझा, अमित साहू और परमानंद सिंह गौतम ने दी। उन्होंने बताया कि जबलपुर के कलाकार इस बार रावण के मायाजाल का एहसास कराएंगे।आकाशीय बिजली कड़केगी, झरना बहेगा और कृति हनुमान और राक्षस भी हवा में नजर आएंगे।

बोरियाखुर्द में रामलीला मंचन-आतिशबाजी के साथ रावण दहन

बोरियाखुर्द में चौथे वर्ष भी दशहरा सांस्कृतिक महोत्सव की तर्ज पर सजने वाला है। दशहरा उत्सव समिति एवं ग्रामवासियों द्वारा खेल मैदान में रावण दहन के साथ सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। विगत दिनों तैयारी की रूपरेखा तय करने बैठक हुई। इसमें समिति के अध्यक्ष गजेंद्र तिवारी, पार्षद सुषमा साहू, कार्यकारी अध्यक्ष लच्छूराम निषाद, सचिव रुद्र कुमार साहू ने हिस्सा लिया। अध्यक्ष ने बताया कि पिछले 3 वर्ष की भांति इस वर्ष भी 55 फीट का रावण और 40-40 फीट के मेघनाथ-कुंभकर्ण का पुतला दहन किया जाएगा। नई विधा के साथ रामलीला का मंचन होगा। आकर्षक इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी की जाएगी। जसगीत गायक दुकालू यादव एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि खेल मैदान में दशहरा उत्सव का भूमिपूजन विधि-विधान के साथ रविवार को किया गया।

विश्व हृदय दिवस आज : छोटे बच्चों के गले की खराश को न करें नजरअंदाज

कार्नर न्यूज

क्योंकि दिल का रखना होगा ख्याल... हृदय रोग देश में हर तीसरी मौत का जिम्मेदार

रायपुर। भागदौड़ और व्यस्तता भरे जीवन में अपने दिल का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट मानें तो देशभर में हर तीसरी मौत का जिम्मेदार हृदय रोग है, जो न्यूरो और कैंसर की तुलना में अधिक है। दिल की बीमारी उम्र का दायरा मिटा चुकी है। कम उम्र, यहां तक छोटे बच्चों को भी ये बीमारी अपना शिकार बना रही है। कम उम्र में लगातार होने वाली गले की खराश भी हृदय रोग का कारण बन सकती है। वहीं अनुवांशिक बीमारी के साथ बदलती जीवनशैली और खानपान भी इसके लिए बराबर जिम्मेदार हैं। राज्य के एकमात्र हृदय रोग का इलाज करने वाले शासकीय अस्पताल एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में 11 साल के बच्चे का वॉल्व रिप्लेसमेंट और 14 साल के बच्चे का कार्डियक प्रोसिजर किया जा चुका है। चिकित्सकों का मानना है कि हार्ट अटैक सहित हृदय से संबंधित तमाम रोगों की शिकायत काफी बढ़ चुकी है। एसीआई में होने वाली ओपीडी में प्रतिदिन दो सौ से ज्यादा मरीज दिल की बीमारी की शिकायत लेकर आते हैं। कम आयु में हृदय रोग से पीड़ित होने की वजह अनुवांशिक होती है, वहीं अधिक आयु में इस बीमारी की जिम्मेदार अनहेल्दी लाइफस्टाइल, जैसे तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन, धूम्रपान और नींद की कमी हो सकती है। हृदय रोग से होने वाली मौतों को स्वस्थ जीवनशैली में बदलाव, जैसे नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और तनाव कम करके रोका जा सकता है।

ऐसे हो सकते हैं लक्षण

- सीने में दर्द या भारीपन
- सांस लेने में तकलीफ, खासकर सीढ़ियां चढ़ने या ज्यादा चलने पर
- अचानक चक्कर आना या बेहोश हो जाना
- पैरों या टखनों में सूजन
- हृदय की धड़कन का अचानक तेज या अनियमित होना

ऐसे रखें दिल का ख्याल

- बचपन में गले की संक्रमण बीमारी (स्ट्रेप थ्रोट) का समय पर इलाज कराएं, जो स्ट्रेप थ्रोट का कारण बन सकता है। बच्चों को पौष्टिक आहार देने के साथ शुरुआत से कम नमक और कम शक्कर खाने की आदत डालें।
- युवावस्था में नियमित व्यायाम करें, धूम्रपान और शराब से दूर रहें, तनाव प्रबंधन सीखें और जंक फूड के सेवन से बचें।
- 40 वर्ष के बाद नियमित रूप से ब्लडप्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर की जांच कराएं। संतुलित आहार लें और हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधियां करते रहें। दिन में काम से कम 45 मिनट से 1 घंटे तक वॉक करें।
- जिम जाने वाले वर्कआउट से पहले हृदय की जांच कराएं, खासकर जिनके परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो। अचानक तेज वर्कआउट शुरू करने के बजाय धीरे-धीरे क्षमता बढ़ाएं।

कोरोना के साइड इफेक्ट, खून गाढ़ा हाने से दिक्कत

हृदय रोग की बढ़ती समस्या की वजह कोरोना और उससे बचाव के लिए लगी वैक्सीन होने की बातें भी सामने आती हैं। चिकित्सकों का कहना है कि वैक्सीन की वजह से हार्ट संबंधी शिकायतें बढ़ने की बात सही नहीं है। हालांकि महामारी के दौरान कोरोना संक्रमित हुए लोगों में खून गाढ़ा होने की शिकायत होती रही है। चिकित्सकों का तर्क है इस तरह की समस्या से पीड़ित होने वालों की परेशानी अभी भी बरकरार है। जांच की सुविधा बढ़ने से बीमारी के आंकड़े भी बढ़े हैं।

उपचार सुविधा के विस्तार की जरूरत

चिकित्सकों का कहना है कि जिस तरह ट्रामा और कैंसर यूनिट का विस्तार किया जा रहा है, ठीक उसी तरह हृदय रोग के उपचार को और विकसित करने की आवश्यकता है। डायग्नोस्टिक की सुविधा को प्राथमिक और सामुदायिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों तक बढ़ाने की जरूरत है। हृदय की बीमारी के प्रति लोगों को और जागरुक करने की जरूरत है, ताकि सही समय पर इसका पता लगाया जा सके। बीमारी की पहचान कर आवश्यकता के अनुसार इसका इलाज कर मौतों में कमी लाई जा सकती है।

चिकित्सकों का ये कहना

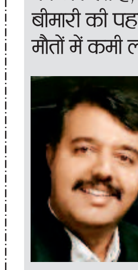

अनुवांशिक बीमारियों के साथ बदलती जीवनशैली के असर से हृदय रोग की समस्याएं बढ़ी हैं। जीवन को संयमित जीने और खानपान को नियंत्रित कर इसे रोका जा सकता है। समय-समय पर एलडीएल के साथ अन्य जांच करानी चाहिए। नशे की लत से दूर रहना आवश्यक है।
- **डॉ. स्मित श्रीवास्तव**, विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी विभाग

दिल सिर्फ एक अंग नहीं, बल्कि हमारे जीवन का केंद्र है। इसकी एक धड़कन भी अगर अनियमित हो जाए तो पूरे शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है। सही जानकारी और सजगता से हृदय संबंधी रोगों को काफी हद तक टाला जा सकता है, समय-समय पर जांच आवश्यक है।
- **डॉ. कृष्णकांत साहू**, विभागाध्यक्ष कार्डियक सर्जरी विभाग

होल्डिंग एरिया से प्लेटफार्म पर घटे 300 से अधिक यात्री, मिल रही सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रेलवे स्टेशन पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया की व्यवस्था रविवार से प्रभावी रूप से लागू हो गई है। प्लेटफॉर्म पर भीड़ ज्यादा होने की स्थिति में यात्रियों को अब होल्डिंग एरिया में ही रोककर ट्रेन का इंतजार करने को कहा जा रहा है। बीते तीन दिनों की तुलना में रविवार को भी यात्रियों की संख्या हजारों से लाख तक पहुंची। शाम 7 बजे के बाद प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव बढ़ने लगा, जिसके बाद आरपीएफ ने यात्रियों को होल्डिंग एरिया में रोकने की प्रक्रिया शुरू की। रेलवे ने होल्डिंग एरिया में बैठने, पीने के पानी और टिकट खरीदने की भी सुविधाएं दी हैं। रविवार को डोंगरगढ़ जाने रात में जब प्लेटफॉर्म नंबर 1, 2 और अन्य प्लेटफॉर्म पर भीड़ बढ़ी तो यात्रियों को होल्डिंग एरिया में बैठाया गया, जिससे भीड़ काफी हद तक नियंत्रण में रही। बता दें कि रायपुर से डोंगरगढ़ जाने वाली एक्सप्रेस व लोकल ट्रेनों में स्लीपर तथा जनरल कोच में एक साथ 500 से अधिक यात्री सवार होते हैं। इसी दौरान अन्य ट्रेनों के यात्री भी उसी प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहते हैं, जिससे एक ही प्लेटफॉर्म पर भीड़ हजार तक पहुंच जाती है। नई व्यवस्था से प्लेटफॉर्म पर करीब 300 से 400 यात्रियों की भीड़ कम हुई है।

ट्रेनों की मॉनिटरिंग कर रहा रेलवे

प्लेटफार्म से लेकर ट्रेनों में भीड़ की स्थिति को नियंत्रित करने मॉनिटरिंग की जा रही है। रेलवे का कहना है कि अभी रायपुर से गुजरने वाली ऐसी किसी ट्रेन में अतिरिक्त कोच जोड़ने जैसी स्थिति नहीं बनी है। आने वाले समय अगर भीड़ हुई तो तत्काल कोच को जोड़ दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को दिक्कत न हो। इसके लिए टीम मॉनिटरिंग कर रही है।

- रेलवे स्टेशन में भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग एरिया की व्यवस्था रविवार से लागू
- सफर के टिकट की मिल रही सुविधा

पिछले साल की तुलना में प्लेटफॉर्म पर अधिक भीड़, 10 हजार से ज्यादा यात्री बढ़े

रेलवे के अनुसार इस वर्ष नवरात्रि के दौरान प्लेटफॉर्म पर पिछले साल की तुलना में अधिक भीड़ देखने को मिल रही है। इसका प्रमुख कारण यह है कि रेलवे ने इस बार डोंगरगढ़ के लिए 7 अतिरिक्त ट्रेनों समेत त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया है। इससे यात्री संख्या में 10 हजार से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। प्लेटफॉर्म नंबर 7 को शुरू होने के बाद भी भीड़ नियंत्रण से बाहर हो रही है थी। बढ़ती भीड़ का असर स्टेशन के वेटिंग हॉल पर भी पड़ा, जो पूरी तरह पैक हो चुके हैं। ऐसे में रेलवे द्वारा यात्रियों की भीड़ नियंत्रित करने के लिए बनाया गया होल्डिंग एरिया सुरक्षा की दृष्टि से बेहद जरूरी और प्रभावी साबित हो रहा है।

त्योहारी भीड़ के लिए अस्थायी समाधान

सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि होल्डिंग एरिया का उपयोग सिर्फ अधिक भीड़ की स्थिति में ही किया जाएगा। यह एक अस्थायी व्यवस्था है, जिसे विशेष रूप से नवरात्रि, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब स्टेशन पर भीड़ सामान्य हो जाएगी, तब इस व्यवस्था को हटा दिया जाएगा। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा बनाए रखना और प्लेटफॉर्म पर भीड़भाड़ को रोकना है, ताकि यात्रा व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

खबर संक्षेप

जैन संवेदना ट्रस्ट ने 13 बुजुर्गों को बांटे श्रवण यंत्र

रायपुर। 81 वर्षीय नगीना श्रीवास्तव कम सुनाई देने की पीड़ा से दुखी थी। समाचार पत्रों से पढ़कर उनके पति ने जैन संवेदना ट्रस्ट से संपर्क किया और रविवार को महावीर भवन सदर बाजार में उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेंद्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि अनेक वर्षों बाद स्पष्ट सुनाई देने की प्रसन्नता उनके चेहरे पर झलक रही थी। दादी मां ने संस्था को आशीर्वाद दिया। श्री कोचर और श्री चोपड़ा ने बताया कि संस्था द्वारा प्रति शनिवार बच्चों और बुजुर्गों को सुनने की मशीन देने का क्रम जारी है। इस सप्ताह 13 मशीन का निशुल्क वितरण किया गया। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मूक पशु-पक्षियों की सेवा, मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यंत्र, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, वैशाखी, बीपी नापने की मशीन, शुगर टेस्टिंग मशीन का निशुल्क वितरण किया गया है। सोमवती तांडी को वीरेंद्र डागा, गुलाब दस्सानी द्वारा श्रवण यंत्र प्रदान किया गया, जिन बच्चों, बुजुर्गों को कम सुनाई देता है, वे ओडियोमैट्री जांच कराकर जैन संवेदना ट्रस्ट के महेंद्र कोचर 9827156004, विजय चोपड़ा 9301739494 से संपर्क कर सकते हैं।

लता मंगेशकर की जयंती पर मरीजों को बांटे फल

रायपुर। भारत रत्न स्वर कोकिला स्व. लता मंगेशकर की 96वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वर्णिम धरोहर लता फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा रविवार को नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस मौके पर फाउंडेशन के सदस्यों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों से संवाद स्थापित किया और विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। कार्यक्रम में एसडीएलएफ के संस्थापक मनोज शर्मा, अध्यक्ष अखिलेश्वर सिंह, एम्स के उप निदेशक धर्मवीर चौहान, बीएसएफ पलोद इकाई के कमांडेंट नवल किशोर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करण उइके, कमला देवी संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य आरती सिंह, प्रसिद्ध उद्घोषक कमल शर्मा, विवेक टांक, दीपक हटवार, रुद्राक्ष, निखिल, सचिन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स धन्यवाद मोदी कार्यक्रम में हुए शामिल

सीएम साय बोले- जीएसटी रिफॉर्म्स से आर्थिक क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक बदलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को राजधानी रायपुर के मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स धन्यवाद मोदीजी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, जीएसटी रिफॉर्म्स से आर्थिक क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है। जीएसटी दरों में कटौती से 140 करोड़ देशवासियों के जीवन में खुशी आई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, जीएसटी रिफॉर्म्स का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लगातार ऐसे निर्णय हुए हैं, जिनके बारे में यह कहा जाता था कि ये कभी नहीं हो सकते। चाहे वह धारा 370 हटाना हो या ट्रिपल तलाक बिल लाने का निर्णय। इसी कड़ी में जीएसटी रिफॉर्म्स लोगों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

किसानों को भी बड़ी राहत

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं स्वयं लोगों के बीच जाकर जीएसटी दरों में कटौती से मिले लाभ की जानकारी ले रहा हूँ। पिछले दिनों जब मैं दैनिक जरूरत का सामान खरीद रहे लोगों से मिलने एक मार्ट में गया तो वहां मुझे गृहणियों ने बताया कि इन सुधारों से हमारे किचन के बजट में कमी आई है। जब मुझे गृहणियां प्रत्येक वस्तु के कम हुए दाम बता रही थीं तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी। इन सुधारों से किसानों को बड़ी राहत मिली है। मैं ट्रेक्टर शोरूम भी गया जहां मुझे पता चला कि ट्रैक्टर के दाम में 65 हजार से 1 लाख रुपये की कमी आई है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, संपत अग्रवाल, नान के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सीजीएमएससीएल के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी, अखिलेश सोनी, श्रीचंद सुंदरानी, लाभचंद बाफना, भाजपा के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कण्डेय, भाजपा नेता रमेश ठाकुर, जयंती पटेल, हर्षिता पांडेय, अजय भसीन सहित रायपुर संभाग के छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

- जीएसटी दरों में कटौती से 140 करोड़ देशवासियों के जीवन में खुशी आई है

इनका सम्मान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए पद्मश्री प्राप्त विभूतियों और राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इनमें जॉन मार्टिन नेल्सन, डॉ. राधेश्याम बारले, उषा बारले, डॉ. पुखराज बाफना, फूलबासन बाई यादव, शमशाद बेगम, डॉ. भारती बंधु, अनुज शर्मा, मदन सिंह चौहान, सबा अंजुम, अजय कुमार मंडावी, हेमचंद मांझी, पंडी राम, जागेश्वर यादव, राजेंद्र प्रसाद, राजेश चौहान, नीता डुमरे शामिल रहे।

नई औद्योगिक नीति को निवेशकों को पसंद

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में प्रदेश के व्यापारियों का बड़ा योगदान होगा। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति को निवेशकों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। अभी मैंने जापान और कोरिया की यात्रा की, जहां इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम भी हुए। एशिया महाद्वीप के कई निवेशकों ने छत्तीसगढ़ में निवेश में रुचि दिखाई है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश से बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने जो जीएसटी सुधार किए हैं, वे 'न भूतो न भविष्यति' हैं। यह कदम आम आदमी को ताकतवर बना रहा है। जहां एक ओर दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की कीमत कम होने से लोगों को लाभ मिल रहा है तो वहीं देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। जीएसटी रिफॉर्म्स को लेकर जनता की ओर से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया आ रही है।

'मन की बात' करोड़ों देशवासियों को जोड़ने का माध्यम : साय

- शहीद भगत सिंह और लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित सिंधु पैलेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'मन की बात' करोड़ों देशवासियों को जोड़ने, उन्हें प्रेरित करने तथा नवाचार एवं बेहतर कार्यों को सामने लाने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने इस दौरान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह और स्वर कोकिला स्व. लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुण्य स्मरण किया। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को शक्ति उपासना के पर्व नवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा, शक्ति उपासना के इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश की दो बहादुर बेटियों, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा की 'नाविका सागर परिक्रमा' का उल्लेख किया। दोनों अधिकारियों ने 47 हजार 500 किलोमीटर की समुद्री यात्रा 238 दिनों में पूरी की और दुनिया के सबसे सुदूर स्थान 'नीमो प्वाइंट' पर तिरंगा फहराकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इस समय देशभर में 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी दरों में हुई कटौती से लोगों को दैनिक जरूरतों की वस्तुओं से लेकर वाहनों, कृषि उपकरणों और मशीनों तक में बड़ी राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत का आव्हान करते हैं और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

खादी वस्त्रों और उत्पादों का करें उपयोग : मुख्यमंत्री ने कहा, जब हम स्वदेशी वस्तुएं खरीदते हैं तो हम केवल सामान नहीं लेते, बल्कि एक परिवार की उम्मीद, एक कारीगर की मेहनत और एक उद्यमी के सपनों को सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि खादी उत्पादों की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है और हम सभी को खादी के वस्त्रों और उत्पादों का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

रेनी सीजन के दो दिन शेष, बेमेतरा फिर रह गया प्यासा, रायपुर समेत प्रदेश का कोटा पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

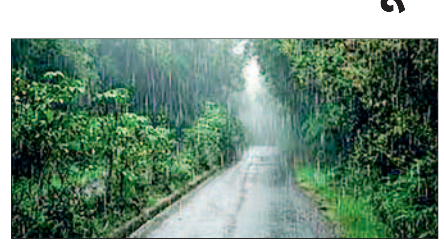

रेनी सीजन के समाप्त होने के दो दिन पहले रायपुर समेत छत्तीसगढ़ में औसत बारिश का कोटा पूरा हो गया है। पिछले साल की तरह इस बार भी बेमेतरा जिला प्यासा रह गया है और यहां 50 फीसदी कम वर्षा हुई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के राज्य से विदा होने में अभी वक्त है और तब तक दो से तीन बार इसके बरसने की उम्मीद है। अक्टूबर के पहले सप्ताह में राज्य के कई हिस्सों में बरसात की गतिविधि में वृद्धि होने के संकेत हैं। बेमेतरा जिला पिछले चार-पांच सालों से इंद्र देवता की बेरुखी का शिकार होता रहा है और इस बार भी यही स्थिति बनी हुई है। वहां अब तक 529 मिमी. बारिश हुई है, जो औसत वर्षा 1041 मिमी. का 50 फीसदी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना कि बेमेतरा में कम वर्षा को लेकर विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है, क्योंकि उससे लगे जिलों में हर साल अच्छी बारिश होती है। तर्क यह भी दिया जाता है कि तीस साल की वर्षा का अध्ययन कर औसत बारिश का आंकड़ा तय किया जाता है, जिसके भी संशोधन की जरूरत है। इसके अलावा वहां की भौगोलिक स्थिति और ड्राई एरिया के बारे में जांच की जरूरत है। बेमेतरा के अलावा सरगुजा में 29 और जशपुर में 23 फीसदी कम वर्षा का संकट है, मगर इनकी तुलना में बेमेतरा की परेशानी दोगुनी है। 1 जून से 30 सितंबर तक रेनी सीजन के दौरान राज्य में दो दिन पहले 1163 मिमी. वर्षा हो चुकी है, जो 1135 औसत के लगभग बराबर है। बलरामपुर, बालोद, बस्तर, दंतेवाड़ा, जांजगीर-चांपा और मोहला-मानपुर में सामान्य से अधिक बारिश हो चुकी है। रायपुर समेत अन्य जिले सामान्य स्थिति में हैं।

- मानसून की विदाई में अभी वक्त, दो से तीन बार और बरस सकते हैं बादल

10 अक्टूबर के बाद विदाई की राह

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई 10 अक्टूबर के बाद ही प्रारंभ होने की संभावना है। अगले दो दिन में यहां वर्षा की गतिविधि को बढ़ाने सिस्टम तैयार होने के आसार हैं। साथ ही विदाई के पहले प्रदेश में व्यापक वर्षा का एक-दो दौर और बनने के अनुमान हैं। मानसून की विदाई रेखा अभी छत्तीसगढ़ से काफी दूर है।

आंदोलनों पर प्रतिबंध लगाना चाह रही सरकार

रायपुर। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, सरकार के खिलाफ चौतरफा हमले हो रहे हैं। पूरे प्रदेश में सरकार की विफलता के खिलाफ वातावरण बना हुआ है। हर दूसरे दिन कोई न कोई संगठन सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर रहा है । सरकार अपनी नाकामी छिपाने विरोध प्रदर्शन रोकना चाह रही है। सरकार बातचीत कर समाधान करने के बजाय अपने खिलाफ होने वाले आंदोलनों को रोकने तानाशाही रवैया अपना रही है। सरकार सोच रही कि सरकारी अड़ंगा लगाकर विरोध प्रदर्शन रोक लेगी। उन्होंने कहा, विभिन्न कर्मचारी संगठन धरना-प्रदर्शन कर रहे, इससे घबराई सरकार अलोकतांत्रिक हथकंडे अपना रही। सरकार ने आंदोलनो के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। धरना-प्रदर्शन के लिए अब 4 विभागों से अनुमति लेनी होगी। कांग्रेस इसका विरोध करती है। सरकार नहीं चाहती कि उसके कुशासन का कोई विरोध करे, इसलिए नए-नए नियम थोपकर दबाना चाह रही है। जनता सरकार के विरोध में सड़कों पर उतर रही है। यह किसी भी निर्वाचित सरकार की अलोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण है। अपने खिलाफ हो रहे आंदोलनों से घबराई सरकार आंदोलनों पर ही प्रतिबंध लगाना चाह रही है।

हाईवे पर स्टंटबाजी, 15 के खिलाफ एमवी एक्ट के साथ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं की टीम का खल्लारी मंदिर दर्शन करने जाने के दौरान कार में स्टंटबाजी का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने स्टंट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है। स्टंटबाज युवाओं पर पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के साथ प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की है।

शनिवार को इंस्टाग्राम पर अलग-अलग कार में सवार युवाओं के ग्रुप का स्टंटबाजी का वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने सीसीटीएनएस कैमरों से कार नंबर की जानकारी हासिल कर कार मालिक को थाने तलब कर पूछताछ की। कार चलाने वालों की जानकारी हासिल करने के बाद पुलिस ने उन्हें सिविल लाइंस थाने तलब कर उनके खिलाफ अपराध दर्ज किया और कार जब्त करने के बाद एसडीएम कोर्ट में पेश किया। एसडीएम कोर्ट ने स्टंटबाज सभी युवाओं को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का फैसला सुनाया।

- शनिवार को वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई
- स्टंटबाज सभी युवा जेल दाखिल

इनके खिलाफ कार्रवाई

कार में स्टंटबाजी करने के आरोप में जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनके कार मालिक तथा स्टंटबाज युवाओं में कार सीजी 04 एन डी 4931 टोयोटा फार्चूनर (निकिता गवली), हुंडई आई-20 सीजी 04 पीई 7703 (शैलेंद्र देवांगन), महिंद्रा थार सीजी 04 पीएल 1111 (मोहित परिहार), हुंडई केटा सीजी 04 क्यूजे 9876 (साधना पाण्डेय), टोयेटा इनोवा सीजी 14 एमबी 5555 (देवराज चौहान) तथा दो अन्य वाहनों के मालिक शामिल है। पुलिस ने वागेश गंधर्व, वात्सल्य रंजन चौहान, देवकुमार सोनकर, रोशन गवली, राहुल गवली, भरत तारवानी, अभ्युदय मिश्रा, दिनेश दास, अभिषेक राव, वैभव खातरकर, मोहित परिहार, प्रवीण बघेले, अभिषेक साहू, अभिनव देवांगन को जेल दाखिल किया है।

एग्री स्टैक पोर्टल पर पंजीयन के लिए दो दिन बाकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के किसानों को एग्री स्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए केवल 30 सितंबर तक का समय बाकी है। इसके बाद यह पोर्टल लॉक हो जाएगा। किसानों को एग्री स्टैक के साथ ही राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल पर भी पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस तरह पंजीयन कराने वाले किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अपना धान बेच सकेंगे।

राज्य में 1 नवंबर से धान खरीदी संभावित है। राज्य सरकार वर्ष 2025-26 की नई धान उपार्जन नीति बना रही है। इस नीति को सरकार की मंत्रिमंडलीय उपसमिति के समक्ष पेश किया जा चुका है, लेकिन राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में अनुमोदन के बाद इसे जारी किया जाएगा।

अब नहीं बढ़ेगी पंजीयन की तारीख

जानकार सूत्रों के मानें तो किसानों को एग्री स्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराने के लिए पहले ही काफी समय दिया जा चुका है। पूर्व में इसके लिए अगस्त तक का समय दिया गया था, जिसे बढ़ाकर 30 सितंबर तक किया गया है। इस आधार पर माना जा रहा है कि पंजीयन के लिए अवधि अब नहीं बढ़ेगी।

जिन किसानों ने एग्री स्टैक में पंजीयन नहीं कराया है, वे 30 सितंबर के पहले पंजीयन कराएं, यह आखिरी मौका है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

चकल्लस

मगरमच्छों से बैर नहीं...

आयुष्मान योजना के हितग्राहियों के इलाज के नाम पर गड़बड़ी रोकने की जांच में ही गड़बड़ी की शिकायत सामने आने लगी है। राजधानी के आसपास के क्षेत्रों के निजी अस्पतालों में योजना के लिए निर्धारित मापदंड की जांच के लिए कतिपय टीम द्वारा विशेष दिलचस्पी दिखाई जा रही है। इलाज के बाद किए गए क्लेम में कमियां बताकर उसके रिजेक्ट होने का डर दिखाकर बचाव का रास्ता बताकर अपना जेब गर्म किया करने की चर्चा है। निजी जांच के नाम पर की जा रही डिमांड की दबी जुबान में शिकायत भी सामने आ रही है। मगर अस्पताल प्रबंधन आयुष्मान के वसूली खिलाड़ियों का नाम उजागर करने से डर रहे हैं। उनका कहना है आयुष्मान योजना की समंदर की तरह है और पानी में रहकर वहां के मगरमच्छों से कैसे बैर किया जा सकता है।

समर्थन बड़ा या विरोध

हमारे यहां शराब दुकानों की संख्या 10 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया गया है। इसकी वजह से राज्यभर में 67 नई शराब दुकानें खुलने का रास्ता साफ हो गया। इस फैसले के पीछे अफसरों की दलील है कि जहां शराब उपलब्ध नहीं, वहां के लोगों की ओर से शराब दुकान खोलने की मांग आ रही थी। इसलिए ऐसा कदम उठाया जा रहा है। अब इसी कहानी का दूसरा पहलू देखिए। जब साहब लोग दुकानें खोलने गए तो वहां अफसरों को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। हालत ये है कि अब 67 में से 6 या 7 दुकानें भी नहीं खोल पाए हैं। इस पूरे मामले को देखने के बाद ये समझना जरूरी हो गया है कि शराब बिक्री का समर्थन अधिक है या विरोध?

...तो फारेस्ट वाले हो जाएंगे कंगाल

हमारे यहां सरकार ने बहुत से पुराने कानूनों में बदलाव करते हुए नए कानून बनाए हैं। इसमें ये प्रावधान है कि छोटे-मोटे अपराधों के लिए जेल की सजा के बदले जुर्माना लगाया जाएगा। इसी कानून में एक प्रावधान ये है कि अगर कोई हाथी को खुले में विचरण के लिए छोड़ दे तो उस पर एक हजार रुपए जुर्माना लगेगा। छत्तीसगढ़ के जंगलों से लेकर आसपास के गांवों में बड़ी संख्या में जंगली हाथी घूम रहे हैं और भारी तबाही भी मचा रहे है। जाहिर है कि ये हाथी आम जनता में से किसी के नहीं हैं, यानी ये सरकारी संपत्ति हैं। अब अगर हाथी को न पकड़कर खुले में रहने दिया जाए तो इसकी जिम्मेदारी वन विभाग वालों की होगी। नए कानून के हिसाब से वन विभाग वालों पर जुर्माना लगना चाहिए। अगर ये जुर्माना वन विभाग के अफसरों से वसूलना शुरू हुआ तो हाथियों की इतनी बड़ी तादाद है कि अफसर जुर्माना अदा करते-करते कंगाल हो जाएंगे।

लूट का मजबूत जोड़

जीएसटी छूट के बाद कीमत कम नहीं करने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। अफसरों की टीम बन गई है जो यह देख रहे हैं कि कीमतें कम हुईं या नहीं। लेकिन सीमेंट कंपनियां इससे बेपरवाह हैं। कुछ कंपनियों ने पहले ही रेट बढ़ा दिए हैं, अब रेट कम करने की बात हो रही है। ऐसा खेल करने वालों पर एक्शन होना चाहिए, पर हो कुछ नहीं रहा है। बस कार, बाइक के शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों तक ही जीएसटी में छूट मिलने का गुणगान कर रहे हैं। ऐसा लगता है, जहां लूट हो रही है, वहां के लिए अभियान में भी छूट दे दी गई है। साहब एक बार सीमेंट की नई और पुरानी कीमतों को देख लीजिए। समझ आ जाएगा कि कंपनियों का लूट वाला जोड़ बहुत मजबूत है।

जुगाड़ में मिलेगा पद...

कांग्रेस कार्यकर्ता इन दिनों उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्हें लगा कि सरकार जाने के बाद अब उनको नया काम मिलने वाला है। जिला अध्यक्ष की दौड़ में कई युवा और वरिष्ठ नेता शामिल हैं। पिछले कई सालों से राजधानी सहित बड़े जिलों में जमे अध्यक्षों की छुट्टी तय मानी जा रही है। अब वे अपने नेताओं से सिफरिश के लिए उम्मीद जता रहे हैं। पर्यवेक्षक तक नाम तो पहुंचा दिया जाएगा, लेकिन एआईसीसी के क्रॉस चेक में किसका जुगाड़ चलेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। नेताओं को लग रहा है कि अपने काम पर न सही, दूसरों के नाम पर ही अपने को पद मिले तो क्या बुरा है।

मिस मैनेजमेंट

रायपुर नगर निगम में जो हुआ वह कांग्रेस का बड़ा फेल्योर है। चंद पार्षदों को भी पीसीसी नहीं साध पाई। रायपुर में सारे दिग्गज बैठते हैं। सबको खबर है कि क्या हो रहा है। लेकिन नेता प्रतिपक्ष के मामले में घनघोर मिस मैनेजमेंट हुआ। कोई किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है। हाल यह है कि बागी पार्षदों ने अपना गुट बनाकर खुद का नेता प्रतिपक्ष चुन लिया और पार्टी ने जिसे नेता प्रतिपक्ष बनाया उसे खारिज कर दिया। खबरी बता रहा था कि ऊपर वालों ने नीचे की वालों की भावनाओं का सम्मान नहीं किया। उसी का नतीजा है कि पार्टी दर्शक बनकर रह गई है और नीचे वाले खेल कर गए।

अभी करो थोड़ा इंतजार...

साउथ की पेचीदा सस्पेंस थ्रिलर मूवी एक बार समझ में आ भी जाए, लेकिन यूथ कांग्रेस वालों का सीन ही समझ नहीं आता है। बीते माह थोक में उठा-उठाकर लोगों को बाहर पटका। उस वक्त कहा गया कि नई नियुक्तियां की जाएंगी और ऐसा बदलाव होगा कि पूरी कायनात ही पलट जाएगी। सदस्य कायनात के पलटने का इंतजार कर ही रहे थे कि नई आकाशवाणी हो गई। चूंकि पार्टी को युवाओं की आवश्यकता है और चुनाव से गुटबाजी बढ़ती है, इसलिए अब संगठन चुनाव नहीं होंगे। अब एक बात यह समझ नहीं आ रही है कि लड़ाई तो बिना चुनाव के भी हो ही रही है तो चुनाव करवाकर ही लड़ाई कर लेते।

पास कर दो यार...

अपना बचपना याद है आपको? जब शिक्षक बेंत लेकर आपकी कुटाई-पिटाई किया करते थे? याद है तो कहीं लिखकर रख लीजिए... कल को संस्मरण प्रकाशित करवा दीजिएगा, क्योंकि जो हालात हो रखे हैं उसमें शिक्षकों की कड़ाई

इतिहास का हिस्सा बन जाएगी। क्या है कि स्कूलों में तिमाही परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। कई कक्षाओं की किताबें वक्त पर नहीं पहुंची तो शिक्षक मुसीबत में पड़ गए कि पढ़ाएं क्या और परीक्षा क्या लें? जब परेशानी लेकर पहुंचे तो उन्हें आदेश हुआ कि

सबको पास कर दिया जाए। बताइए... ऐसे गुरुजी थे आपके पास?

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

हमेशा 20 रुपए में मिलने वाला नारियल अब थोक में 32 और चिल्हर में 40 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

नवरात्रि में पहली बार नारियल के दाम डबल हो गए हैं। नारियल के उत्पादन के मामले में भारत विश्व में पहले स्थान पर है। ऐसे में आमतौर पर अपने देश में नारियल के दाम हमेशा से ही कम रहते हैं। अपने प्रदेश में नारियल की कीमत थोक में 10 से 12 रुपए और चिल्हर में 15 से 20 रुपए ही रहती है। पहली बार नारियल के दाम थोक में 32 रुपए और चिल्हर में 40 रुपए हो गए हैं। इसी के साथ नारियल तेल की कीमत भी 50 फीसदी तक बढ़ गई है, जो नारियल तेल पहले 350 रुपए लीटर था, वह अब 530 रुपए लीटर हो गया है। इसका कारण अपने देश से नारियल का दूसरे देशों में निर्यात होना है। अपने देश में सबसे ज्यादा नारियल का उत्पादन दक्षिण के राज्यों कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में होता है। उत्पादन का करीब 90 फीसदी हिस्सा इन्हीं राज्यों के हिस्से में आता है। छत्तीसगढ़ में भी नारियल कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से आता है। नारियल की खपत अपने राज्य में भी बहुत ज्यादा है। त्योहारी सीजन में इसकी खपत में बहुत इजाफा हो जाता है। सामान्य दिनों की तुलना में त्योहारी सीजन में खपत करीब-करीब डबल हो जाती है। ऐसा ही दूसरे राज्यों में होता है। यही वजह है त्योहरी सीजन में दाम थोड़े ज्यादा हो जाते हैं, लेकिन पहली बार त्योहारी सीजन में दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं।

दूसरे देशों में नारियल भेजे जाने का बड़ा असर

कीमत आसमान पर

आमतौर पर अपने राज्य में नारियल के दाम थोक में 10 से 12 रुपए और चिल्हर में 15 से 20 रुपए के आस-पास ही रहते हैं, लेकिन पहली बार ऐसा हो रहा है कि नारियल के दाम आसमान पर चले गए हैं। इस समय नारियल थोक बाजार में 32 रुपए और चिल्हर बाजार 40 रुपए में मिल रहा है। जो नारियल तेल पहले 350 लीटर में बिक रहा था, उसके दाम 50 फीसदी बढ़कर अब 530 रुपए लीटर हो गए हैं। कारोबारियों के मुताबिक पहले कभी इतने दाम नहीं बढ़े थे। आमतौर पर नारियल तेल के दाम 350 से 400 रुपए तक ही रहते हैं। जब नारियल के दाम थोड़े बढ़ते हैं यानी नारियल कभी 25 रुपए तक पहुंचता है तो नारियल तेल के दाम थोड़े से बढ़ते हैं, लेकिन अब तक दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं।

दूसरे देशों में निर्यात का असर

भारत में नारियल का उत्पादन बहुत ज्यादा होने के कारण इसकी मांग दूसरे देशों में भी बहुत रहती है। केंद्र सरकार ने नारियल के निर्यात की छूट दी है तो अब अमेरिका, चीन, बांगलादेश सहित कई देशों में भारत से नारियल जा रहा है। इसके कारण इसके दाम बढ़ गए हैं।

सरकार ने गाइडलाइन नियमों में किया महत्वपूर्ण संशोधन

जमीन के बाजार मूल्य की गणना अब वर्गमीटर में नहीं, हेक्टेयर में होगी

मुआवजे में नहीं हो पाएगा घोटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण में हुए गंभीर आर्थिक घोटालों के बाद अब राज्य सरकार ने जमीन के मामले में ऐसा नया नियम बनाया है, जिसकी वजह से अब जमीनों के टुकड़ों का घोटाला नहीं हो सकता। जैसा कि भारतमाला परियोजना मामले में हुआ है। खास बात ये है कि अब जमीन चाहे डायवर्टेड हो या नान डायवर्ट, दोनों का मूल्यांकन एक ही होगा। यही नहीं, अब जमीन की नाप वर्गमीटर में भी नहीं, बल्कि हेक्टेयर में होगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक नया नियम बनाया है। इसे छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम-2000 कहा जाएगा। इस नियम के तहत अब अब 12 डिसमिल से कम जमीन यानी 500 वर्गमीटर खरीदने पर उसका मूल्यांकन रजिस्ट्री के दौरान वर्गफीट में किया जाएगा। इसी तरह यदि जमीन 500 वर्गमीटर से अधिक है तो उसका मूल्यांकन हेक्टेयर में किया जाएगा।

इस तरह लगेगी घोटालों पर रोक

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने नियम में यह बदलाव इसलिए किया है, क्योंकि देखा गया है कि हाल में ही भारतमाला परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान बड़े पैमाने पर मुआवजा घोटाला सामने आया है। इस पूरे मामले की जांच जिला प्रशासन से लेकर कमिश्नर स्तर तक कराई जा रही है। जानकारों का दावा है कि जैसा घोटाला इस परियोजना में हुआ है, वैसा अब नया नियम होने के कारण नहीं हो सकता। दरअसल इस घोटाले में जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर उसकी रजिस्ट्री कराई और इन टुकड़ों का मुआवजा वर्गमीटर में हासिल किया, जो वास्तविक राशि से 15 गुना तक अधिक था। साथ ही मुआवजा राशि टैक्स फ्री होती है, उसका लाभ भी लोगों ने नाजायज तरीके से उठा लिया। यही कारण है कि सरकार ने अब जमीन की नाप वर्गमीटर में करने का पैमाना ही समाप्त कर दिया है।

इसे इस तरह समझा जाए

उदाहरण के लिए अगर रायपुर से लगे दुर्ग जिले के अम्लेश्वर में जमीन 500 रुपए फीट और हेक्टेयर में उसका मूल्य 78 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर होता है। यहां अगर यहां कोई दस हजार वर्गमीटर जमीन खरीदे तो उसका मूल्यांकन हेक्टेयर की दर 78 लाख रुपए के हिसाब से होगा, यानी ये साफ है कि अब जमीन का हिसाब वर्गमीटर में नहीं होगा।

ये होगा फायदा : पंजीयन विभाग के जानकार सूत्रों की मानें तो अम्लेश्वर के उदाहरण के हिसाब से जमीन खरीदने पर पंजीयन शुल्क में कम से कम पांच गुना का अंतर आएगा, इससे रजिस्ट्री की दर कम लगेगी। इसका लाभ जमीन खरीदारों को मिलेगा।

अब सभी जमीनों का एक ही मूल्यांकन

नए नियम में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान है। इसके तहत अब जमीन डायवर्ट हो या नान डायवर्टेड उसका मूल्यांकन एक ही होगा। पहले होता ये था कि अगर जमीन डायवर्टेड हो तो उसका मुआवजा भी अधिक कीमत के साथ देना पड़ता है। यह डायवर्टेड भूमि पर मुआवजा नान डायवर्ट से ढाई गुना अधिक मिलता था। अब जमीन की नाप ग्रामीण क्षेत्रों में वर्गमीटर के बजाय हेक्टेयर में होगी। वर्गमीटर दर के प्रावधान में 500 वर्गमीटर से अधिक जमीन होने पर हेक्टेयर में मूल्यांकन होगा। लोग ज्यादा मुआवजा पाने के लिए जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े कर अधिक मुआवजा पा लेते थे। वर्गमीटर और हेक्टेयर दर में पांच से दस गुना राशि का अंतर होता है। इसके कारण अब जमीन का अत्याधिक मुआवजा नहीं लिया जा सकेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार मूल्य से तीन गुना अधिक राशि देने का प्रावधान है। इसके अलावा बाजार मूल्य में डायवर्टेड भूमि के बाजार मूल्य की गणना ढाई गुना अधिक होती थी, उसे भी समाप्त कर दिया गया है। इस नियम का लाभ उठाने वाले उस समय लाभ उठाते थे, जब उन्हें ये पता लगता था कि सड़क या अन्य किसी परियोजना के लिए सरकार जमीन अधिग्रहण करने वाली है। लोग अपनी जमीन को अधिग्रहण से पहले ही डायवर्ट करा लेते थे। जब मुआवजा बंटता तो वे ढाई गुना रकम हासिल कर लेते थे। यही कारण है कि अब सरकार ने जमीन का मूल्यांकन एक समान कर दिया है।

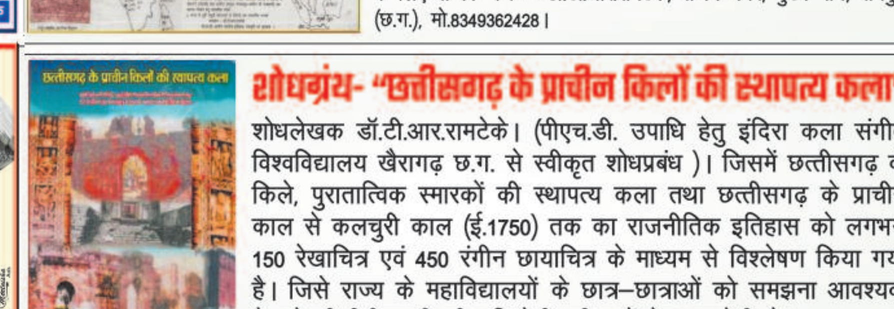

बिजनेस साइट

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क ईको टेस्ट शिविर आज

रायपुर। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल भाठागांव में आज निशुल्क ईको टेस्ट शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होगा, जिसमें भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है। हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि शिविर का उद्देश्य हृदय रोगों को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। शिविर का संचालन वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जिनेश जैन करेंगे। उन्होंने बताया कि तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण हृदय रोग तेजी से बढ़ रहा है। सीने में दर्द, सांस फूलना, पसीना आना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। अस्पताल में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, सीएबीजी, पेसमेकर इम्प्लांट जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे शिविर में आकर समय पर जांच कराएं और अपने हृदय की देखभाल करें।

CO-ORGANISED BY
INITIATIVE BY
RITAM
Presents
हरिभूमि
रास गरबा
2025
IN ASSOCIATION WITH
Chhattisgarh
Chhattisgarh Tourism Board
मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
संरक्षक
श्री अमित चिमनानी
प्रदेश प्रवक्ता - भारतीय जनता पार्टी, छ.ग.
प्रमुख संरक्षक
श्री बृजमोहन अग्रवाल जी
सांसद, रायपुर
POWERED BY
avinash
a relation for life
CO-POWERED BY
ASHTVINAYAKA REALTIES
SPONSORED BY
Raheja Group
CO-PRESENTED BY
Celebrate this Navratri with Bollywood Celebrity Actress
आज भव्य शुभारंभ
रात 8 बजे से
THE GRAND NEELAM
VIP ROAD, RAIPUR
SCAN TO BOOK YOUR PASSES ON
bookmyshow
29 Sep
30 Sep
01 Oct
Ms. Saloni Batra
ANIMAL MOVIE FAME
EVENT MANAGED BY- ANIL JOTSINGHANI

रायपुर पश्चिम एवं रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र
को राशि 117.05 करोड़ के कार्यों की सौगात
जिला रायपुर अंतर्गत रिंग रोड क्र.-2 में जरवाय मार्ग बंगाली होटल के पास ओव्हरपास निर्माण कार्य लागत रु. 2389.49 लाख
जिला रायपुर अंतर्गत रिंग रोड क्र.-2 हीरापुर चौक रायपुर में ओव्हरपास निर्माण कार्य लागत रु. 4940.10 लाख
जिला रायपुर के रिंग रोड क्र.-2 में सरोरा चौक पर रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप ओव्हरपास निर्माण कार्य लागत रु. 4376.48 लाख
मुख्य अतिथि
मान. अरुण साव जी
उप मुख्यमंत्री - लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन छत्तीसगढ़ शासन
अध्यक्षता
मान. बृजमोहन अग्रवाल जी
सांसद, रायपुर लोकसभा एवं पूर्व केबिनेट मंत्री छ.ग. शासन
शिलान्यास
दिनांक : 29 सितम्बर 2025, सोमवार
समय : दोपहर 1 बजे
स्थान : रिंग रोड क्र.-2, हीरापुर चौक (गनपत चौक), रायपुर (छ.ग.)
अति विशिष्ट अतिथिगण
मान. राजेश मूणत जी
विधायक, रायपुर पश्चिम एवं पूर्व केबिनेट मंत्री
मान. मोतीलाल साहू जी
विधायक, रायपुर ग्रामीण
विशिष्ट अतिथिगण
मान. श्रीमती मीनल चौबे जी
महापौर, नगर पालिक निगम, रायपुर
मान. सूर्यकांत राठौर जी
सभापति, नगर पालिक निगम, रायपुर
की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा।
अतः उपरोक्त कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।
विनीत - जी.एस. एक्सप्रेस प्रा.लि., मिथलेश मिश्रा, ठेकेदार लो.नि.वि., छत्तीसगढ़

स्वस्थ हृदय, स्वस्थ जीवन

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस (World Heart Day) पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान, तनाव और शारीरिक निष्क्रियता के कारण हृदय रोग एक गंभीर वैश्विक समस्या बन गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, हर वर्ष करोड़ों लोग हृदय संबंधी बीमारियों के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकडा न केवल चिंताजनक है बल्कि हमें चेतावनी भी देता है कि यदि समय रहते सतर्क न हुए तो आने वाली पीढियाँ भी हृदय रोगों के भारी खतरे का सामना करेंगी।

हृदय रोगों का बढ़ता खतरा

आंकड़ों के अनुसार, भारत में हृदय रोगों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पहले जहां हृदय रोग को केवल बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था, वहीं अब यह युवाओं और मध्यम आयु वर्ग में भी तेजी से फैल रहा है। गलत खानपान, जंक फूड का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान, शराब, तनाव और नींद की कमी इसके प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि 30 से 40 वर्ष की आयु में ही हृदयाघात (हार्ट अटैक) जैसी घटनाएँ सामने आना एक गंभीर संकेत है।

विश्व हृदय दिवस का महत्व

विश्व हृदय संघ (World Heart Federation) ने वर्ष 2000 से इस दिवस की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना था कि हृदय की देखभाल करके न केवल जीवन लंबा किया जा सकता है बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाया जा सकता है। हर साल इस दिवस की एक थीम होती है जो लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में मदद करती है। वर्ष 2025 की थीम है – "Use Heart, Know Heart" यानी अपने हृदय को समझें और उसका सही उपयोग करें।

विशेषज्ञों की राय

चिकित्सकों का कहना है कि हृदय रोग केवल शारीरिक समस्या नहीं बल्कि जीवनशैली से गहराई से जुड़ा हुआ विषय है। इट्सा हॉस्पिटल रायपुर की हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनल अग्रवाल का कहना है कि– "हमारा हृदय दिन-रात निरंतर कार्य करता है। यदि हम थोड़ी सी लापरवाही भी बरतते हैं तो यह हमारे जीवन के लिए खतरा बन सकता है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, धूम्रपान व शराब से परहेज, तनाव नियंत्रण और नियमित स्वास्थ्य जांच ही हृदय को सुरक्षित रखने का सबसे बेहतर उपाय है।"

बदलती जीवनशैली और हृदय पर असर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग काम के दबाव और आधुनिक जीवनशैली की चकाचौंध में अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। सुबह देर से उठना, फास्ट फूड का सेवन करना, देर रात तक मोबाइल और लैपटॉप पर समय बिताना, और शारीरिक गतिविधियों में कमी, सीधे-सीधे हृदय स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर रूप में देखने को मिलती है।

रोकथाम ही सबसे बड़ा उपाय

हृदय रोगों से बचाव के लिए रोकथाम (Prevention) सबसे महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों के अनुसार–

रोजाना कम से कम 30 मिनट तेज चाल से पैदल चलना या हल्का व्यायाम करना चाहिए।

भोजन में हरी सब्जियाँ, मौसमी फल, साबुत अनाज, दालें और प्रोटीनयुक्त आहार को शामिल करना चाहिए।

अधिक तैलीय, मसालेदार और जंक फूड से बचना चाहिए।धूम्रपान और शराब पूरी तरह छोड़ना चाहिए।

मानसिक तनाव को कम करने के लिए योग, ध्यान और प्राणायाम जैसे उपाय करने चाहिए।समय-समय पर रक्तचाप, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए।

युवाओं में बढ़ती चिंता

हृदय रोग केवल उम्रदराज लोगों की समस्या नहीं रह गई है। आजकल 25-30 वर्ष की आयु में भी हार्ट अटैक की घटनाएँ तेजी से सामने आ रही हैं। इसका मुख्य कारण है– फास्ट फूड का अधिक सेवन, देर रात तक जागना, तनाव और शारीरिक गतिविधियों की कमी। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यदि युवा वर्ग ने समय रहते अपनी जीवनशैली में सुधार नहीं किया तो आने वाले वर्षों में हृदय रोग का संकट और गहराएगा।

समाज और सरकार की भूमिका

हृदय रोगों से लड़ने में केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि समाज और सरकार की भी बड़ी भूमिका है। स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना, ग्रामीण क्षेत्रों तक हृदय रोग संबंधी जांच और उपचार पहुँचाना, तथा जागरूकता अभियान चलाना अत्यंत आवश्यक है। स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी बच्चों और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

हृदय हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण धड़कन है, जिसके बिना जीवन की कल्पना भी अधूरी है। जब तक दिल स्वस्थ है, तब तक जीवन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहता है। लेकिन आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी, तनाव और अनियमित जीवनशैली ने दिल के रोगों का खतरा बढ़ा दिया है। ऐसे में विश्व हृदय दिवस हमें यह याद दिलाता है कि दिल की देखभाल करना केवल ज़रूरी ही नहीं बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है।

स्वस्थ हृदय के लिए हमें जीवन में संतुलन बनाए रखना होगा। भोजन में ताजगी और पौष्टिकता होनी चाहिए, मन में शांति और सकारात्मकता बनी रहनी चाहिए, और शरीर को सक्रिय रखना आवश्यक है। हृदय केवल रक्त प्रवाह का केंद्र नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यदि हृदय खुश और स्वस्थ है तो जीवन के हर पल में आनंद और मुस्कान बनी रहती है।यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार और समाज को भी दिल की सेहत के प्रति जागरूक करें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही खुशहाल जीवन की कुंजी है। आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि अपने दिल को प्यार, देखभाल और सेहत का उपहार देंगे ताकि जीवन की धड़कनें हमेशा सजीव और आनंदमय बनी रहें।

हर दिल कुछ कहता है!
क्या आपने सुना...

• तेज धड़कने • सीने में दर्द • सांस लेने में तकलीफ
• घबराहट • थोड़ा चलने में थकान

हम आपके दिल की आवाज़ सुनते हैं और पूरी देखभाल करते हैं, आपको भी चाहिए हार्ट हेल्दी डाइट, हर दिन एक्सरसाइज़, रेगुलर हार्ट चेकअप, समय पर दवाइयाँ, अच्छी नींद और नशे को ना, फिर आपका हार्ट भी रहेगा हैप्पी एन्ड हेल्दी।

उपलब्ध सेवाएं: • एंजियोप्लास्टी • एंजियोग्राफी • पेस मेकर • वाल्वुलोप्लास्टी • हाइपरटेंशन • डिवाइस क्लोज़र • डायबिटीज़ • दिल संबंधी अन्य बीमारियाँ

सुविधाएं: • ईसीजी • 2 डी ईको (एडल्ट व पेडियाट्रिक) • टी.एम.टी.

EXCELLENT CARDIAC CARE BY:
DR. SULABH CHANDRAKAR
Interventional Cardiologist & Diabetologist
V.Y. Hospital, Raipur (C.G.)

RAIPUR.: Shriji Chamber, Jail Raod, Kutuchery Chowk, Opp. Lotus Electronics, Near Raipur Hospital, Raipur (C.G.)
DURG.: Nal Ghar Complex, Room No. 21, Ground Floor, Between New Bus Stand and District Court, Durg (C.G.)

AdPRAYAS

Mob.: 84350-84016, 75062-13296 • E-mail: sulabhchandrakar@gmail.com

हरिभूमि
सेहत भूमि
रायपुर, सोमवार 29 सितंबर 2025
haribhoomi.com

विश्व हृदय दिवस...

उम्मीद की नई किरण

संतानहीन दम्पतियों के लिए

संतान सुख हर दंपति का सबसे बड़ा सपना होता है। लेकिन कई बार चिकित्सीय कारणों, जीवनशैली में बदलाव या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के चलते लाखों दंपति इस सुख से वंचित रह जाते हैं। ऐसे दंपतियों के लिए टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक (IVF – In Vitro Fertilization) किसी वरदान से कम नहीं है। इस तकनीक ने लाखों परिवारों के जीवन में खुशियाँ भरी हैं और मातृत्व-पितृत्व का सपना पूरा किया है।

टेस्ट ट्यूब बेबी क्या है?

सामान्य भाषा में टेस्ट ट्यूब बेबी का अर्थ है, शरीर के बाहर गर्भाधान। वैज्ञानिक शब्दों में इसे इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) कहते हैं। इस प्रक्रिया में महिला के अंडाणु (Egg) और पुरुष के शुक्राणु (Sperm) को लैबोरेट्री में मिलाया जाता है। जब अंडाणु का निषेचन (Fertilization) हो जाता है और भ्रूण (Embryo) विकसित हो जाता है, तब उसे महिला के गर्भाशय (Uterus) में प्रत्यारोपित (Implant) किया जाता है। इसके बाद गर्भावस्था सामान्य तरीके से आगे बढ़ती है।

कब जरूरत पड़ती है टेस्ट ट्यूब बेबी की?

विशेषज्ञों के अनुसार IVF की सबसे अधिक जरूरत निम्न परिस्थितियों में होती है –

जब महिला की फैलोपियन ट्यूब बंद हो या क्षतिग्रस्त हो।जब पुरुष में शुक्राणुओं की संख्या कम हो या उनकी गुणवत्ता कमजोर हो।

पीसीओडी (PCOD), एंडोमेट्रियोसिस या अन्य स्त्री रोगों की वजह से गर्भधारण संभव न हो।

उम्र अधिक हो जाने पर महिला के अंडाणु कमजोर हो गए हों।

लंबे समय तक सामान्य इलाज के बाद भी दंपति को संतान सुख न मिल पा रहा हो।

प्रक्रिया कैसे होती है?

1. अंडाणु निकालना (Egg Retrieval): महिला को दवाओं द्वारा अंडाणु उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाता है।
2. शुक्राणु संग्रह (Sperm Collection): पुरुष से शुक्राणु लिए जाते हैं।
3. निषेचन (Fertilization): लैबोरेट्री में अंडाणु और शुक्राणु को मिलाया जाता है।
4. भ्रूण विकास (Embryo Culture): कुछ दिनों तक भ्रूण विकसित किया जाता है।
5. भ्रूण स्थानांतरण (Embryo Transfer): विकसित भ्रूण को महिला के गर्भाशय में डाला जाता है।यह पूरी प्रक्रिया 15-20 दिनों के भीतर पूरी हो जाती है और इसके बाद महिला की गर्भावस्था सामान्य रूप से आगे बढ़ती है।

सफलता दर

IVF की सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है –
महिला की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति, जीवनशैली
चिकित्सक और तकनीक की गुणवत्ता
35 वर्ष से कम आयु की महिलाओं में सफलता दर 50-60% तक होती है। वहीं उम्र अधिक होने पर यह दर घट जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, "हर प्रयास सफल नहीं होता, लेकिन लगातार प्रयास से सफलता की संभावना अधिक होती है।"

विशेषज्ञों की राय

रायपुर की जानी-मानी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रचना वर्मा बताती हैं – "IVF तकनीक ने लाखों दंपतियों को संतान सुख दिया है। यह एक वैज्ञानिक और सुरक्षित प्रक्रिया है। समाज में अभी भी भ्रांतियाँ हैं, लेकिन यह जानना जरूरी है कि IVF से जन्मे बच्चे सामान्य बच्चों की तरह ही पूरी तरह स्वस्थ होते हैं।"

भ्रांतियाँ और सच

समाज में टेस्ट ट्यूब बेबी को लेकर कई भ्रांतियाँ व्याप्त हैं –
भ्रांति: IVF से जन्मे बच्चे कमजोर होते हैं।
सच: IVF से जन्मे बच्चे सामान्य बच्चों की तरह ही स्वस्थ होते हैं।भ्रांति: यह एक कृत्रिम या असामान्य प्रक्रिया है।
सच: IVF केवल गर्भधारण को संभव बनाता है, आगे गर्भावस्था और बच्चा बिल्कुल प्राकृतिक होता है।
भ्रांति: IVF हमेशा सफल होता है।सच: सफलता दर उम्र और स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। हर प्रयास सफल हो, यह जरूरी नहीं।

भारत में IVF की बढ़ती स्वीकार्यता

भारत में IVF तकनीक तेजी से लोकप्रिय हो रही है। महानगरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी IVF सेंटर खुल रहे हैं। पहले जहाँ दंपतियों को विदेश जाना पड़ता था, वहीं अब देश में ही अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, पिछले दस वर्षों में IVF के जरिए संतान प्राप्त करने वाले दंपतियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि हुई है।

आर्थिक पहलू

हालाँकि IVF की लागत सामान्य इलाज की तुलना में अधिक होती है, लेकिन अब कई अस्पतालों में EMI सुविधा, हेल्थ इंश्योरेंस और सरकारी योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता भी उपलब्ध है। इससे मध्यम वर्गीय परिवार भी इस तकनीक का लाभ उठा पा रहे हैं।

महिलाओं के लिए उम्मीद की किरण

जिन महिलाओं को लंबे समय से मातृत्व का सुख नहीं मिल पा रहा था, उनके लिए IVF ने जीवन बदलने वाला अवसर दिया है। कई बार सामाजिक दबाव और मानसिक तनाव से महिलाएँ टूट जाती थीं। लेकिन IVF ने उन्हें नया आत्मविश्वास और सम्मान दिया है।

सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव

पहले समाज में टेस्ट ट्यूब बेबी को लेकर हिचकिचाहट थी। लेकिन अब जागरूकता के कारण लोग इसे स्वीकार कर रहे हैं। अब इसे विज्ञान की एक बड़ी उपलब्धि और मातृत्व का वैकल्पिक रास्ता माना जा रहा है।

जागरूकता अभियान

कई IVF सेंटर और अस्पताल समय-समय पर निशुल्क परामर्श शिविर और जागरूकता अभियान चलाते हैं। इसमें दंपतियों को IVF प्रक्रिया की जानकारी, भ्रांतियों का निवारण और सही परामर्श दिया जाता है।

टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक ने चिकित्सा जगत में क्रांतिकारी बदलाव किया है। यह तकनीक उन दंपतियों के लिए वरदान है जो लंबे समय से संतान सुख से वंचित हैं। सही समय पर परामर्श, विशेषज्ञ डॉक्टर और आधुनिक तकनीक से आज हजारों परिवार खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

आइए, इस विश्वस्तरीय तकनीक को सकारात्मक दृष्टि से देखें और समाज में जागरूकता फैलाएँ।

क्योंकि – "माँ बनने का सपना अब अधूरा नहीं रहेगा, विज्ञान ने इसे संभव बना दिया है।"

NABH
Accredited Hospital

आरोग्य हॉस्पिटल

सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर

आधुनिक गैस्ट्रो सर्जरी यूनिट, लैपेरोस्कोपी सर्जरी एवं आई.वी.एफ. सेन्टर

ऑर्थोपेडिक सर्जरी

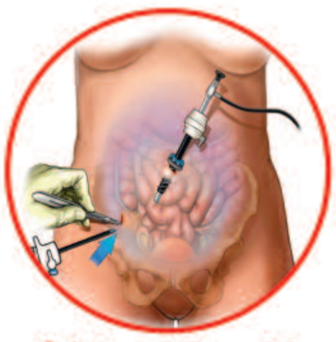
लैपेरोस्कोपी सर्जरी

आई.वी.एफ. सेन्टर

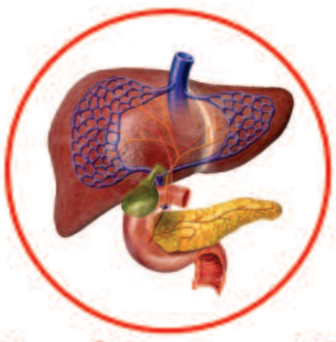
लिवर पैंक्रियास सर्जरी

हॉलमियम लेज़र

उपलब्ध सुविधाएं :-

- लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी
- गॉल ब्लैडर की पथरी और अपेंडिक्स का उपचार
- निसंतान दंपति का आईवीएफ द्वारा इलाज
- लैप्रोस्कोपिक द्वारा बच्चेदानी और कैंसर का इलाज
- लेज़र और स्टैपलर द्वारा पाइल्स फिशर फ़िस्टूला
- ट्रामा हड्डी रोग न्यूरोसर्जरी
- मेडिसिन विभाग और आईसीयू में गंभीर मरीज़ो का इलाज
- नाक कान गला रोग
- नेत्र रोग
- लिवर और पैंक्रियास का इलाज
- एंडोस्कोपी कोलोनोस्कोपी
- गैस्ट्रो सर्जरी
- कैंसर सर्जरी
- हॉल्मियम लेज़र द्वारा प्रोस्टेट और पथरी

HDFC Bank के सामने, शंकर नगर से लोधी पारा चौक जाने के मार्ग पर शंकर नगर रायपुर

फोन:- 0771-4044115, 4265115 98271-98000

हृदयाघात: जानलेवा खतरा और बचाव की राह

हृदय हमारे शरीर का सबसे महत्वपर्ण अंग है, जो लगातार रक्त पंप कर परे शरीर को ऊर्जा और प्राणवाय (ऑक्सीजन) प्रदान करता है। लेकिन जब हृदय की धडकन अचानक रुक जाती है या उसकी कार्यप्रणाली बाधित हो जाती है, तो इसे हृदयाघात या कार्डियक अटैक कहा जाता है। आज यह रोग परी दनिया में तेजी से बढ रहा है और मत्य के प्रमख कारणों में शामिल है। भारत में हर वर्ष लाखों लोग इसकी चपेट में आते हैं। इसकी गंभीरता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समय पर उपचार न मिलने पर कछ ही मिनटों में मत्य हो सकती है।

हृदयाघात क्या है?

हृदयाघात तब होता है जब हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियों में रुकावट आ जाती है। यह रुकावट प्रायः धमनियों में चर्बी, कोलेस्ट्रॉल और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के जमाव (प्लाक) के कारण होती है। जब यह प्लाक फटता है तो रक्त का थक्का (ब्लड क्लॉट) बन जाता है और रक्त प्रवाह बाधित हो जाता है। परिणामस्वरूप हृदय की मांसपेशियों को ऑक्सीजन नहीं मिलती और उनका कुछ हिस्सा नष्ट हो जाता है।

हृदयाघात और हृदयगति रुकने (Cardiac Arrest) में अंतर

बहुत से लोग हृदयाघात (Heart Attack) और हृदयगति रुकना (Cardiac Arrest) को समान मानते हैं, जबकि यह दोनों अलग स्थितियाँ हैं।

हृदयाघात (Heart Attack): हृदय की धमनियों में रुकावट आने पर होता है।

कार्डियक अरेस्ट (Cardiac Arrest): इसमें हृदय की विद्युत गतिविधि अचानक रुक जाती है, जिससे धड़कन बंद हो जाती है। यह अक्सर हृदयाघात के बाद भी हो सकता है।

हृदयाघात के कारण

1. उच्च रक्तचाप (High BP): लगातार बढ़ा हुआ रक्तचाप धमनियों पर दबाव डालता है।
2. उच्च कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने पर धमनियों में रुकावट बनने लगती है।
3. धूम्रपान और शराब: निकोटिन और तंबाकू हृदय की धमनियों को संकुचित कर देते हैं।
4. मोटापा और निष्क्रिय जीवनशैली: शारीरिक गतिविधि की कमी और असंतुलित आहार से जोखिम बढ़ता है।
5. मधुमेह (Diabetes): शुगर लेवल बढ़ने से धमनियों को नुकसान पहुंचता है।
6. तनाव (Stress): लगातार तनाव हार्मोनल असंतुलन पैदा करता है और हृदय पर भार डालता है।
7. अनुवांशिक कारण: परिवार में यदि हृदय रोग का इतिहास है तो जोखिम अधिक होता है।

हृदयाघात के प्रकार

विशेषज्ञों के अनुसार हृदयाघात कई प्रकार का हो सकता है:

1. एसटीईएमआई (STEMI – ST-Elevation Myocardial Infarction):यह सबसे गंभीर हृदयाघात है। इसमें धमनी पूरी तरह ब्लॉक हो जाती है और हृदय की बड़ी मांसपेशी प्रभावित होती है। तुरंत उपचार न मिलने पर जान का खतरा अधिक रहता है।
2. एनएसटीईएमआई (NSTEMI – Non-ST-Elevation Myocardial Infarction):इसमें धमनी आंशिक रूप से ब्लॉक होती है। नुकसान गंभीर तो होता है, परंतु एसटीईएमआई से कम।
3. साइलेंट हार्ट अटैक (Silent Heart Attack):इसमें रोगी को सामान्य लक्षण जैसे तेज दर्द महसूस नहीं होता। यह धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है और अक्सर नियमित जांच के दौरान पता चलता है।
4. अनस्टेबल एंजाइना (Unstable Angina):यह भी एक प्रकार का हृदयाघात माना जाता है, जिसमें छाती में अचानक और तेज दर्द होता है। यह भविष्य में बड़े अटैक का संकेत हो सकता है।

हृदयाघात के लक्षण

छाती में तेज दर्द या दबाव महसूस होना।
दर्द का कंधे, बांह, गर्दन या पीठ तक फैलना।
अत्यधिक पसीना आना।
सांस लेने में कठिनाई।
मतली और चक्कर आना।
अत्यधिक कमजोरी और बेचैनी।

महत्वपूर्ण यह है कि सभी लोगों में लक्षण समान नहीं होते। विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों में लक्षण असामान्य हो सकते हैं।

निदान

हृदयाघात की पुष्टि के लिए डॉक्टर निम्नलिखित जांच करते हैं:ईसीजी (Electrocardiogram): हृदय की विद्युत गतिविधि को रिकॉर्ड करता है।

ईकोकार्डियोग्राफी: हृदय की कार्यप्रणाली को दिखाता है।

ब्लड टेस्ट (ट्रोपोनिन टेस्ट): हृदय की मांसपेशी को हुए नुकसान का पता चलता है।

एंजियोग्राफी: धमनी में रुकावट का स्थान और गंभीरता पता चलती है।

उपचार

1. तत्काल उपचार:एस्पिरिन या खून पतला करने वाली दवाइयाँ।
थक्का घोलने की दवा (थ्रोम्बोलाइटिक थैरेपी)।
ऑक्सीजन और आपातकालीन देखभाल।
2. एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग: धमनी को खोलने के लिए बैलून और स्टेंट का प्रयोग किया जाता है।
3. बाईपास सर्जरी: गंभीर मामलों में ब्लॉक धमनियों को बायपास कर नया रास्ता बनाया जाता है।

हृदयाघात से बचाव

संतुलित और कम वसा वाला भोजन करें।
नियमित व्यायाम और योग करें।
धूम्रपान और शराब से परहेज करें।
तनाव कम करने के लिए ध्यान और प्राणायाम का अभ्यास करें।
नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराएँ।
पर्याप्त नींद लें और समय पर भोजन करें।

विशेषज्ञों की राय

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अरविंद शर्मा का कहना है– "हृदयाघात अचानक नहीं होता, यह वर्षों की अस्वस्थ आदतों का परिणाम होता है। यदि लोग 30 साल की उम्र से ही नियमित स्वास्थ्य जांच कराएँ और जीवनशैली में सुधार करें तो इस बीमारी से बचाव संभव है।"

हृदयाघात केवल एक बीमारी नहीं बल्कि जीवनशैली से जुड़ा हुआ संकट है। आज जब भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी आम हो गई है, तब हृदय की देखभाल सबसे जरूरी है। समय रहते इसके लक्षणों को पहचानना और त्वरित उपचार लेना ही जीवन बचा सकता है। समाज में जागरूकता बढ़ाकर और स्वस्थ आदतें अपनाकर ही हम इस घातक खतरे से बच सकते हैं।

VY HOSPITAL
We care for your Health
॥ मंगल भवन, अमंगलहारी ॥

दिल सिर्फ शरीर का केंद्र नहीं बल्कि जीवन की धड़कन है।
KEEP YOUR HEART HEALTHY

PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH
ACCREDITED

हृदय रोग विभाग
DEPARTMENT OF CARDIOLOGY & CARDIAC SURGERY

- हृदय रोगों की जाँच एवं उपचार
- 24x7 इमरजेंसी कार्डियक केयर
- हार्ट अटैक (मायोकार्डियल इंफार्क्शन) का त्वरित इलाज
- एंजियोप्लास्टी एवं एंजियोग्राफी
- बाईपास सर्जरी (CABG)
- वाल्व रिपेयर एवं वाल्व रिप्लेसमेंट
- जन्मजात हृदय रोग (Congenital Heart Disease) का इलाज

- कार्डियक पेसमेकर, ICD एवं CRT-D इम्प्लांटेशन
- हृदय गति संबंधी विकार (Arrhythmia) का उपचार
- हृदय विफलता (Heart Failure) प्रबंधन
- उच्च रक्तचाप एवं कोलेस्ट्रॉल से संबंधित रोगों का इलाज
- कार्डियक ICU एवं अत्याधुनिक मॉनिटरिंग सुविधा
- विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट एवं कार्डियक सर्जन की टीम
- 24x7 एम्बुलेंस एवं ट्रॉमा केयर सपोर्ट

छ.ग. शासन, आयुष्मान भारत योजना तथा सभी इंश्योरेंस संस्थाओं से मान्यता प्राप्त

#Rajesh

वी वाय हॉस्पिटल, कमल विहार, रायपुर

0771-4622222, 7225024301, 7225024302
हेल्पडेस्क: 0771-4622200, टोल फ्री: 1800-123-4775
www.vyhospital.in info@vyhospital vyhraipur vyhospitalrpr @vyhraipur

हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय : व्यायाम, योग और जीवनशैली द्वारा

आज की भागदौड भरी जिंदगी में हृदय रोग सबसे बडी स्वास्थ्य चनौतियों में से एक बन चका है। बदलती जीवनशैली. अनियमित खानपान. तनाव और शारीरिक निष्क्रियता डसके प्रमख कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनसार. हर साल लाखों लोग हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। ऐसे में ज़रूरी है कि हम समय रहते अपने हृदय की देखभाल करें और उसे स्वस्थ बनाए रखने के लिए सही कदम उठाएँ।

हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं?

1. अनियमित दिनचर्या – देर रात तक जागना, नींद पूरी न करना।
2. अस्वास्थ्यकर भोजन – तला-भुना, जंक फूड, मीठे पेय पदार्थ।
3. तनाव और मानसिक दबाव – काम और निजी जीवन का असंतुलन।
4. शारीरिक निष्क्रियता – व्यायाम और योग की कमी।
5. नशे की आदतें – धूम्रपान, शराब और तंबाकू का सेवन।

समय पर जांच क्यों है जरूरी?

चिकित्सकों का कहना है कि अगर हृदय संबंधी बीमारी का पता शुरुआती चरण में चल जाए तो उसका इलाज आसान होता है और जान बचाई जा सकती है। इसके लिए समय-समय पर स्ट्रेस हार्ट टेस्ट, ईसीजी, ईको और अन्य कार्डियक जांच कराना बेहद आवश्यक है।

आज आधुनिक तकनीक की मदद से जांच और उपचार दोनों ही आसान हो गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित मशीनें, कैथलैब जैसी सुविधाएं और 24 घंटे निगरानी की आधुनिक व्यवस्था से हृदय रोगियों को सही समय पर सही इलाज मिल सकता है।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक जीवनशैली

संतुलित आहार लें – फल, हरी सब्जियाँ, साबुत अनाज और प्रोटीनयुक्त भोजन ज़्यादा खाएँ।तेल और नमक का सीमित सेवन – अत्यधिक तैलीय भोजन और अधिक नमक से बचें।धूम्रपान और शराब से दूरी – यह सीधे हृदय की धमनियों को नुकसान पहुँचाते हैं।पर्याप्त नींद – रोज़ाना 7-8 घंटे की नींद ज़रूरी है।तनाव प्रबंधन – ध्यान, संगीत या प्रकृति में समय बिताना मददगार होता है।

हृदय के लिए लाभकारी व्यायाम

व्यायाम हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, रक्त संचार को बेहतर करता है और कोलेस्ट्रॉल व ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है।

1. कार्डियो एक्सरसाइजतेज चलना (Brisk Walking) : रोज़ाना 30 मिनट तेज़ कदमों से चलना हृदय को मज़बूत करता है।जॉगिंग और दौड़ना : हृदय की धड़कन को नियंत्रित करता है और सहनशक्ति बढ़ाता है। साइक्लिंग : कैलोरी जलाने और हृदय को स्वस्थ रखने का बेहतरीन तरीका।तैराकी (Swimming) : पूरे शरीर को व्यायाम कराती है और हृदय की कार्यक्षमता बढ़ाती है।

2. स्ट्रेंथ ट्रेनिंगहल्के वजन उठाना या पुश-अप्स, स्क्वैट्स जैसे अभ्यास हृदय को मजबूत बनाने के साथ मांसपेशियों को टोन करते हैं।3. एरोबिक डांसजुम्बा या डांस आधारित वर्कआउट हृदय की धड़कन को सक्रिय रखते हैं और तनाव भी कम करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए योग

योग भारतीय परंपरा की अमूल्य देन है। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन को भी शांत करता है।

1. प्राणायामअनुलोम-

विलोम : यह श्वसन क्रिया फेफड़ों और हृदय को शक्ति देती है।भ्रामरी **प्राणायाम :** मानसिक तनाव दूर करता है और हृदय को शांत रखता है।

कपालभाति : शरीर से विषैले तत्व निकालकर रक्त संचार को दुरुस्त करता है।

2. योगासन

ताड़ासन – शरीर को संतुलित कर रक्त प्रवाह बेहतर करता है।
भुजंगासन – हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाता है।
वृक्षासन – शरीर को स्थिरता देता है और नसों को मजबूत करता है।
सेतु बंधासन – हृदय की धमनियों को सक्रिय करता है और रक्त संचार सुधरता है।

तनाव प्रबंधन और ध्यान

रोज़ाना 10-15 मिनट ध्यान (Meditation) करने से मानसिक शांति मिलती है।तनाव कम होने से हृदय पर दबाव नहीं पड़ता।सकारात्मक सोच और खुशमिज़ाज जीवनशैली हृदय को लंबी उम्र देती है।

हृदय को स्वस्थ रखने के कुछ सरल घरेलू उपाय

1. रोज़ाना खाली पेट एक गिलास गुनगुना पानी पीएँ।
2. सुबह-सुबह ताज़ी हवा में सैर करें।
3. भोजन में ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीज़ें (जैसे अखरोट, अलसी के बीज, मछली) शामिल करें।
4. ग्रीन टी या हर्बल चाय का सेवन करें।
5. हंसी-ठिठोली करें, क्योंकि हँसी भी दिल को दवा की तरह काम करती है।

हृदय स्वस्थ रहेगा तो जीवन भी खुशहाल रहेगा। दवाइयों से ज्यादा असरकारक है हमारा जीवनशैली सुधार, जिसमें नियमित व्यायाम, योग, संतुलित आहार और तनावमुक्त जीवन शामिल है। यह याद रखना ज़रूरी है कि छोटी-छोटी आदतें बड़े बदलाव लाती हैं।हृदय को स्वस्थ रखना किसी कठिन कार्य की तरह नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर अनुशासन है। सही खानपान, व्यायाम, योग और सकारात्मक सोच से हम न केवल हृदय रोगों से बच सकते हैं बल्कि एक लंबा, सक्रिय और प्रसन्न जीवन जी सकते हैं।